पटना ● शनिवार, 30 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः315 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

30 नवंबर तक चलेगा कालाजार... 3 www. bordernewsmirror.com बैग में अटपटी चीजें रखती हैं... 7

मणिपुर में धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं हालात

इंफाल (एजेंसी)। 13 दिनों तक बंद रहने के बाद इम्फाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दिया था। हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे। झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नदियों में उनके शव मिले थे। राज्य सरकार ने शुक्रवार को घाटी के सभी पांच जिलों और जिरीबाम में सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी है। ताकि लोग जरूरी चीजों और दवाओं की खरीदारी कर सकें।

4 दिन में कुल 40 मिनट चली संसद की कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी। 4 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 40 मिनट चली। हर दिन औसतन दोनों सदन (लोकसभा और राज्यसभा) में करीब 10-10 मिनट तक कामकाज हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा उठाया। विपक्षी सांसद कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते रहे। स्पीकर ने कई बार उन्हें बिठाने की कोशिश की, मगर विपक्ष शांत नहीं हुआ। शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। मैं आशा करता हूं सभी सदस्य सदन को चलने देंगे। देश की जनता संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। सदन सबका है, देश चाहता है संसद चले। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार (2 दिसंबर) तक स्थगित कर दी गई। राहुल ने बुधवार को संसद के बाहर कहा था कि अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। उन्हें जेल में होना चाहिए। मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। संसद के दोनों सदनों के स्थगित होने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने नाराजगी जताई।

भारत में हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की शुरू हो गई तैयारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन लॉन्च करने की तैयारी के साथ एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

- हरियाणा के 2 शहरों के बीच होगा इस ट्रेन का ट्रायल रन

यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के बीच जल्द ही ट्रायल रन के लिए दौड़ेगी। इस हाइड्रोजन ट्रेन का डिजाइन रेलवे की शोध, डिजाइन और मानक संगठन द्वारा विकसित किया गया है। डिजाइन को दिसंबर 2021 में अंतिम रूप दिया गया था। इसके निर्माण पर काम तब से लगातार चल रहा है। इस ट्रेन का अंतिम ट्रायल अगले साल की पहली तिमाही में होने की संभावना है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, आरडीएसओ के महानिदेशक उदय बोरवंकर ने कहा, आरडीएसओ लगातार नए और अभिनव प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करता है।

8 डिब्बे और 2,638 यात्रियों की क्षमता

इस ट्रेन में 8 यात्री डिब्बे होंगे, जिनमें एक बार में 2,638 यात्री यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन की अधिकतम गति 110 किमी/घंटा होगी। इसमें तीन डिब्बे हाइड्रोजन सिलेंडरों, ईंधन सेल कन्वर्टर्स, बैटरियों और एयर रिज़र्व के लिए होंगे। यह ट्रेन विशेष रूप से कम दूरी के सफर के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वर्तमान में चेन्नई के इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में ट्रेन का इंटीग्रेशन कार्य प्रगति पर है। हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के ईंधन सेल से उत्पन्न बिजली का उपयोग मोटर चलाने के लिए करती हैं। जर्मनी और चीन जैसे देशों ने रेल परिवहन में हाइड्रोजन ईंधन पर काम किया है, लेकिन अब तक केवल जर्मनी में एक सफल हाइड्रोजन ट्रेन परिचालित हो रही है। वहां ट्रेन में सिर्फ दो कोच हैं। भारत की यह हाइड्रोजन ट्रेन न केवल तकनीकी दृष्टि से बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भी एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इसका लक्ष्य ग्रीन एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देना है। ट्रेन का नाम अभी तय नहीं हुआ है। हाल ही में आयोजित इंटरनेशनल इनोवेटिव रेल एक्सपो में इस ट्रेन के मॉडल को 'नमो ग्रीन रेल' नाम के साथ प्रदर्शित किया गया था। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि आधिकारिक नाम लॉन्च के समय तय किया जाएगा।

कूल-कूल हो गया मौसम, बढ़ गई ठंड

8 राज्यों में कोहरा, लाहौल-स्पीति में तापमान -11 तक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी राज्यों के साथ-साथ अब मध्य भारत के राज्यों में भी ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। उत्तर भारत के राज्यों में बर्फबारी के कारण हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर फिलहाल सबसे ठंडे राज्य हैं। मौसम विभाग ने बताया हिमाचल के लाहौल स्पीति में रात का तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है। वहीं, मध्य भारत में एमपी के पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ज्यादा सर्दी पड़ रही है। शहडोल और मंडला में न्यूनतम तापमान शिमला, देहरादून, जम्मू और कटरा से भी कम है। यहां रात का टेम्परेचर 7 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। उधर, तमिलनाडु में कल यानी 30 नवंबर की सुबह फेंगल तूफान टकरा सकता है। इसके असर के कारण तमिलनाडु के कई जिलों में तेज बारिश का दौर जारी है।

एमपी के 2 शहर शिमला से ठंडे, तूफान फेंगल बना खतरा

पाकिस्तान के लिए जासूसी करते पकड़ा गया भारतीय

ओखा, द्वारका, जामनगर से भारतीय सैनिकों की जानकारियां पाकिस्तान भेज रहा था

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात एटीएस ने एक बार फिर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की जासूसी करने के आरोप में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओखा बीच पर एक निजी कंपनी में एजेंट की नौकरी करता था। इसी की आड़ में ओखा, द्वारका, जामनगर से भारतीय सैनिकों से जुड़ी जानकारियां पाकिस्तान भेजता था। गुजरात एटीएस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ समय से भारतीय तटरक्षक बल और समुद्री सीमा के बारे में कुछ अहम जानकारियां पाकिस्तान तक पहुंच रही थीं। इस पूरे मामले में गुजरात एटीएस की टीम कई दिनों से ओखा के एक शख्स को ट्रैक कर रही थी। इसका नाम दिनेश गोहिल बताया गया है। जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया, तो पता चला कि उसने तटरक्षक बलों की काफी जानकारियां पाकिस्तान पहुंचाई हैं।

वंदे भारत स्लीपर के लिए करना होगा लंबा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या रेलवे यात्रियों को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा। कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि डिजाइन मंजूरी संबंधी मुद्दों के कारण वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की विनिर्माण प्रक्रिया शुरू होने में देरी हो रही है। हालांकि, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया में आई इन खबरों को खारिज किया है। वैष्णव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि इन ट्रेनों के निर्माण के लिए जिस रूसी कंपनी को चुना गया, उसके लिए डिजाइन कभी कोई मुद्दा नहीं है।

इससे पहले, मीडिया के एक वर्ग ने रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग के अधिकारियों के हवाले से इससे जुड़ी खबर दी थी। इसमें कहा गया कि भारतीय रेल ने ट्रेन में शौचालय और पेंट्री कार की मांग की है, जिसके लिए ट्रेन के डिजाइन में बदलाव करना जरूरी हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी ने डिजाइन में

डिजाइन मंजूरी संबंधी मुद्दों के कारण विनिर्माण प्रक्रिया में हो रही देरी

बदलाव के संबंध में रेल मंत्रालय की चिंताओं को दूर कर दिया। मंजूरी के लिए इसे मंत्रालय के पास भेजा, लेकिन मंत्रालय ने अभी तक अपनी सहमति नहीं दी है। करार के अनुसार, कंपनी को 1920 शयनयान डब्बा कोच बनाने हैं।

विभागों के बंटवारे को लेकर महाराष्ट्र में फंस गया पेंच

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नई सरकार में विभागों को लेकर पेच फंसता नजर आ रहा है। इसके चलते महायुति की अहम बैठक भी कैंसल हो गई है। इसके बाद एकनाथ शिंदे अपने गांव चले गए हैं।

महायुति की मीटिंग कैंसिल, एकनाथ शिंदे चले गए गांव

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही दिल्ली में महायुति के तीनों अहम नेताओं, देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बैठक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के घर हुई। बताया जाता है कि इसमें देवेंद्र फडणवीस के सीएम बनने और अहम विभागों के बंटवारे को लेकर सब कुछ तय हो चुका है। अब इससे आगे की बैठक आज मुंबई में होने वाली थी लेकिन उससे

पहले ही कुछ अड़चन आती नजर आ रही है। अनुमान है कि शपथ ग्रहण दो दिसंबर को होगा। एकनाथ शिंदे के बैठक छोड़कर अचानक जाने से अनुमान लगाया जा रहा है नई सरकार के गठन को लेकर वह कुछ नाराज हैं। सूत्रों के मुताबिक शिंदे अपने सतारा स्थित गांव निकल गए हैं। अब शिंदे के वापस आने के बाद यह बैठक होगी। शिवसेना प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने इस बात की पुष्टि कि मुख्यमंत्री शिंदे के आज के सभी अप्वॉइंटमेंट्स कैंसल कर दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार गठन को लेकर हो रही बातचीत सकारात्मक दिशा में बढ़ रही है। शिवसेना सूत्रों के मुताबिक शिंदे सतारा में महाबलेश्वर के पास स्थित अपने गृहस्थान डारे गए हुए हैं। इससे पहले शिंदे ने कहा था कि भाजपा जिसको मुख्यमंत्री बनाए, उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा के घर-ऑफिस पर ईडी का छापा

मुंबई (एजेंसी)। राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के घर पोर्नोग्राफी मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार सुबह छापामारी की। घर के बाद राज कुंद्रा के दफ्तर में भी छापा मारा गया है। इसके अलावा मुंबई और उत्तर प्रदेश में करीब 15 जगहों की तलाशी ली जा रही है। इसके जरिए एनआईए मोबाइल एप्लिकेशन और दूसरे माध्यमों से पोर्नोग्राफी के सर्कुलेशन का पता लगा रही है। राज कुंद्रा पर आरोप हैं कि वो एप हॉटशॉट के जरिए पोर्न कंटेंट लोगों तक पहुंचाते हैं और इसका प्रोडक्शन भी करते हैं। इस एप के मालिक राज कुंद्रा हैं। उनकी ये एप पहले गूगल और एप्पल में उपलब्ध थी।

महाराष्ट्र में भीषण बस हादसा, 12 की मौत

- 18 घायल, बाइक सवार को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा
- बस रेलिंग से टकराकर पलटी, 30 से ज्यादा यात्री थे सवार

गोंदिया (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गोदिंया में शुक्रवार दोपहर बस हादसे में 12 यात्रियों की मौत हो गई। 18 से ज्यादा यात्री घायल हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर बताई गई है। दरअसल, महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल की शिवशाही बस भंडारा से गोदिंया आ रही थी। हादसा गोंदिया से 30 किमी पहले खजरी गांव के पास हुआ। लोगों के मुताबिक घटना 12.30 बजे के करीब की है। बाइक सवार को

बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर से बस अनकंट्रोल हुई और सड़क किनारे की रेलिंग से टकराने के बाद पलट गई। एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

सूरत के युवक ने कंबोडिया में बनाई डिजिटल अरेस्ट गैंग

90 वर्षीय बुजुर्ग को 15 दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर 1.15 करोड़ ठगे, 5 गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। सूरत के एक युवक ने कंबोडिया जाकर डिजिटल अरेस्ट की गैंग बनाई, जिसने 90 वर्षीय वृद्ध को 15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 1.15 करोड़ रुपए ठग लिए। पुलिस ने गैंग के 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मास्टरमाइंड पार्थ उर्फ मॉडल संजय गोपानी कंबोडिया में है, जिसका स्कैच जारी किया गया है। संभवतः यह सूरत में डिजिटल अरेस्ट का पहला मामला है, जिसमें आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। पीड़ित 90 वर्षीय वृद्ध सूरत के पारले पॉइंट के हैं।

हाईकोर्ट में सुनवाई तक संभल कोर्ट कुछ ना करे

मस्जिद सर्वे पर हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

संभल (एजेंसी)। संभल जामा मस्जिद सर्वे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अब फिलहाल ट्रायल कोर्ट इस मामले में कोई ऐक्शन न ले। इस मामले में अब हाईकोर्ट की इजाजत के बिना कोई कार्यवाही न की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को हाईकोर्ट जाने को तो कहा है लेकिन उनके मुकदमे (विशेष अनुमति याचिका) को अपने पास लंबित भी रखा है। अगली तारीख पर सुप्रीम कोर्ट मामले में हाईकोर्ट में हुई कार्यवाही की जानकारी हासिल कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्री को 6 जनवरी से शुरू होने वाले सप्ताह में केस को दोबारा लिस्ट करने कहा है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की खंडपीठ कोर्ट कमिश्नर को संभल जामा मस्जिद का सर्वे करने का निर्देश देने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका संभल शाही जामा मस्जिद कमेटी ने दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि संभल में शांति और सद्भाव बनाए रखा जाए, क्योंकि यह ट्रायल कोर्ट को 8 जनवरी तक वहां मस्जिद के सर्वेक्षण के संबंध में कोई भी अगला कदम उठाने से रोकता है। बता दें कि संभल कोर्ट में आज यानी 29 नवंबर को इस मामले की सुनवाई थी जिसमें मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी लेकिन कोर्ट कमिश्नर ने सर्वे रिपोर्ट पूरी न होने की बात कहते हुए अदालत से 10 दिन का समय मांग लिया। संभल कोर्ट ने आठ दिसम्बर तक रिपोर्ट पेश करने को कहा है और अगली सुनवाई के लिए आठ जनवरी की तारीख तय की है।

जिस जगह पर योगी ने कहा-यूनिवर्सिटी बनाएंगे, वहां 500 नमाजी पहुंचे

यूपी कॉलेज को सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्ति बताया, ज्ञानवापी के बाद काशी में नया मस्जिद विवाद

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में ज्ञानवापी के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। उदय प्रताप कॉलेज (यूपी कॉलेज) को वक्फ परिसर ने अपनी संपत्ति बताया। इससे संबंधित एक लेटर सोशल मीडिया पर लोग पोस्ट करने लगे। यह लेटर 6 साल पुराना है। इसके बाद शुक्रवार यानी जुमा की नमाज पर 500 से ज्यादा नमाजी कॉलेज परिसर में इकट्ठा हो गए। अमूमन यहां 20 से 25 लोग ही नमाज अदा करने आते थे। ऐसा तब है, जब इस कॉलेज के 115वें स्थापना समारोह में 4 दिन पहले सीएम योगी आए थे। उन्होंने इस कॉलेज को यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की थी। अब जबकि संवेदनशीलता बढ़ गई है, ऐसे में पुलिस की एक टुकड़ी यहां 24 घंटे तैनात की जा रही है। 100 एकड़ में फैले यूपी कॉलेज में नवाब टोंक की मस्जिद व कचनार शाह की मजार भी है। यह सब करीब 3 बिस्वा में फैला हुआ है। यहां मुस्लिम बंधु नमाज अदा करने आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों ने भोजन में कीड़ा निकलने पर किया विरोध

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के मध्य विद्यालय कस्माबाद में गुरुवार को दूसरे दिन भी बच्चे मध्याह्न भोजन से वंचित रहे। एनजीओ के द्वारा उपलब्ध कराए गए भोजन का जब ढक्कन खोला गया तो चावल में कीड़ा देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए। बच्चों ने भोजन करने से इनकार कर दिया। स्कूल लाए गए भोजन को वापस कर दिया गया।

विद्यालय प्रधान ने एनजीओ प्रतिनिधि और एमडीएम आरपी को सूचना दी। एनजीओ के प्रतिनिधि वरुण कुमार झा और एमडीएम आरपी भूपेश सिन्हा विद्यालय पहुंचे। ग्रामीण शारदा देवी, रुबी देवी, ममता कुमारी आदि ने बताया कि बुधवार को खिचड़ी चखने पर छह बच्चे बीमार हो गए। आज खाने में कीड़ा निकला। हम अपने बच्चों को दूषित भोजन नहीं करा सकते। इधर विद्यालय आए एनजीओ के प्रतिनिधि ने बताया कि चावल में कीड़ा आज निकला है। वरीय अधिकारी को इसकी जानकारी देंगे। साथ ही इसकी जांच करेंगे कि कीड़ा क्यों निकला। एमडीएम आरपी ने बताया कि भोजन वापस कर दिया। बच्चों को भोजन करने घर भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विभाशंकर कुमार ने बताया कि बुधवार को सुबह खिचड़ी आई थी। दोपहर जब बच्चों को खाना खिलाने लगे तो बच्चों ने चखने के दौरान बताया कि स्वाद बिगड़ गया है। खिचड़ी फेंक दी गई। गुरुवार को एनजीओ का आदमी जब खाना लेकर आया तो ग्रामीण खाना देखने विद्यालय में मौजूद थे। जब खाना का ढक्कन खोला गया तो बने चावल में कीड़ा निकला।

75 दुकान में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध छापमारी

भागलपुर, एजेंसी।

सुल्तानगंज बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर गुरुवार को छापामारी की गई। स्वच्छता पदाधिकारी अमित कुमार भगत ने बताया कि 75 दुकानों में छापामारी की गई। इस दौरान तीन हजार दो सौ रुपये का जुर्माना वसूला गया। साथ ही 450 ग्राम प्लास्टिक बरामद किया गया। मौके पर नप के टैक्स दरोगा गोपाल झा और तहसीलदार मनोज कुमार और राजीव भारती मौजूद थे। इस दौरान सड़क किनारे दिए गए पीली पट्टी के बाहर अतिक्रमण करने वाले दुकानदार को सख्त हिदायत दी गई।

बाल विवाह के खिलाफ सेविका ने ली शपथ

भागलपुर, एजेंसी। निज संवाददाता प्रखंड परिसर में गुरुवार को आंगनबाड़ी सेविका ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। शपथ सीडीपीओ किरण कुमारी ने दिलाई। जबकि सहायक समाहर्ता गरिमा लोहिया भी उपस्थित रहीं। सीडीपीओ ने बताया कि 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक लैंगिक असमानता और घरेलू हिंसा के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम किया जाएगा इसके लिए सेविका को निर्देशित भी किया गया।

नशे में रहे पुलिस जमादार को डीएसपी ने किया गिरफ्तार, केस दर्ज

गया, एजेंसी। शराब के नशे में पुलिस की ड्यूटी करने वाले एक पुलिस जमादार को शेरघाटी के डीएसपी ने बुधवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया है। नशेबाज पुलिस अधिकारी की पहचान अजय कुमार तिवारी के रूप में हुई है। वह इआरएसएस-2 (डायल-112) आमस में तैनात थे। उनके खिलाफ आमस थाने में शराबबंदी कानून के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेशी की गई है। पिछले 40 दिनों के भीतर शेरघाटी अनुमंडल में शराब की लत को लेकर कार्रवाई का शिकार बनने वाला यह दूसरा पुलिसकर्मी है। डीएसपी की ताजा कार्रवाई से शराब का शौक रखने वाले पुलिसकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया है। इससे पूर्व बांकेबाजार थाने के एक पुलिस ड्राइवर विशाल कुमार को भी शेरघाटी के डीएसपी ने गत 18 अक्तूबर की आधी रात में शराब के नशे में गिरफ्तार किया था।

शेरघाटी में बतौर डीएसपी तैनात युवा आइपीएस अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने नवीनतम मामले को लेकर बताया कि बुधवार की रात करीब साढ़े दस बजे जमादार को तब गिरफ्तार किया गया, जब वह डायल-112 की गाड़ी के साथ शेरघाटी अनुमंडल मुख्यालय के करीब इमामगंज मोड़ पर मौजूद थे। इससे पूर्व डीएसपी को एएसआइ के नशे में होने की पक्की सूचना मिली थी।

अगले साल पटना में दौड़ने लगेगी मेट्रो रेल

सम्राट चौधरी ने बता दी उद्घाटन की तारीख

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में अगले साल यानी 2025 में मेट्रो रेल की सुविधा शुरू कर दी जाएगी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इसके लॉन्चिंग की तारीख भी बता दी है। उन्होंने बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में जानकारी देते हुए कहा कि पटना मेट्रो अगले साल स्वतंत्रता दिवस से चलने लगेगी। उन्होंने सदन में चालू वित्त वर्ष के लिए 32,506 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश करते हुए एक बयान में यह बात कही।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि इस बजट का उपयोग राज्य में केंद्र और बिहार सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷इस फंड का उपयोग पटना मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण को पूरा करने के लिए किया जाएगा। पटना मेट्रो अगले साल स्वतंत्रता दिवस से अपना परिचालन शुरू करेगी। पर्यटन विभाग से संबंधित कई परियोजनाओं के विकास के लिए भी निधि का उपयोग किया जाएगा, जिसमें कैमूर जिले में पर्यटक केंद्र का विकास भी शामिल है।÷

बता दें कि बिहार में अगले साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार पटना में शुरुआती फेज में मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की तैयारी कर रही है। प्राथमिक कॉरिडोर पर आईएसबीटी बैरिया से मलाही पकड़ी तक मेट्रो दौड़ाने की योजना है, जिसे अगले साल 15 अगस्त तक शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार अपने खर्च पर 33 करोड़ में एक ट्रेन भी खरीदने वाली है। पिछले दिनों हुई नीतीश कैबिनेट की बैठक में 115 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई थी।

पटना मेट्रो के प्रारंभिक चरण में दो प्राथमिक गलियारे शामिल हैं। उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर में पटना जंक्शन से दानापुर तक मेट्रो चलेगी, जबकि पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर के जरिए पटना साहिब क्षेत्र को एम्स से जोड़ा जाएगा।

रेल यूनियन की मान्यता के लिए 4 से 6 दिसंबर तक गुप्त मतदान

गया, एजेंसी। रेल यूनियन की मान्यता को लेकर 4 से 6 दिसंबर तक बैलेट पेपर के माध्यम से गुप्त मतदान होगा। ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए ईस्ट सेंट्रल रेलवे कमर्चारी यूनियन सहित ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस, पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्पलाईज यूनियन और स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। डीडीयू रेल मंडल सहित धनबाद रेल मंडल क्षेत्र में यूनियन नेताओ ने अपने पक्ष में मतदान कराने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पूर्व मध्य रेल कर्मचारी यूनियन का गया जंक्शन क्षेत्र में लगातार रेल कर्मियों के बीच गेट मीटिंग की जा रही है।

पहाड़पुर, टनकुप्पा, गझंडी, गुरपा रेल क्षेत्र में ईसीआरएमसी के नेताओ द्वारा जनसम्पर्क अभियान तेज किया गया है। चुनाव मैदान में रहे यूनियन के लिए चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया गया है। किसी को बरगद का पेड़ तो किसी को फ्लैग, आम, रेल गाड़ी,मुठ्ठी-बाली-चक्र व कॉपी कलम मिला है। मान्यता के लिए समर्थन हासिल करने के लिए संगठन के लोग अपने-अपने चुनाव चिन्ह के साथ जनसम्पर्क बनाये हुए है। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के नेतृत्व में पिछले दो माह से लगातार जनसंपर्क अभियान जारी है। आरपीएफ व जीआरपी सहित जिला पुलिस बल की तैनाती मतदान केंद्रों पर की जाएगी।

आसमा ने ईसीआरएमसी को दिया समर्थन: पूर्व मध्य रेलवे में मान्यता प्राप्त यूनियन के लिए होने वाले गुप्त चुनाव में आसमा (ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन) ने ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस(ईसीआर एमसी) को सशर्त समर्थन देने का निर्णय लिया है। इस सम्बंध में समर्थन पत्र सौंपा गया है। आंसमा केन्द्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार एवं आंसमा केन्द्रीय महामंत्री शरतचन्द्र पुरोहित के हस्ताक्षर द्वारा ईसीआर एमसी के जोनल सचिव पी.एस. चतुर्वेदी को समर्थन पत्र दिया गया है। केंद्रीय अध्यक्ष ने बताया कि आसमां द्वारा विभिन्न जोनों में यूनियन के लिखित रूप से समर्थन के मांग पर जोनल सचिव द्वारा अपने मंडलों के मंडल सचिवों के साथ बैठक कर जोनल सचिव के अनुशंसा पर केन्द्रिय कमेटी विचार विमर्श कर सशर्त समर्थन पत्र जारी किया है।

ड्यूटी के दौरान शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत

- किशनगंज में पैक्स चुनाव में थे तैनात
- बेहोश होने पर अस्पताल में कराया गया था भर्ती

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के कोचाधामन थाना क्षेत्र के अंधासुर में पैक्स चुनाव ड्यूटी के दौरान एक शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान टेढ़ागाछ प्रखंड अंतर्गत झाला पंचायत के निवासी अनिल कुमार यादव (42) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है की शिक्षक भोजपुर बलवा उत्क्रमित मध्य विद्यालय में तैनात थे, और अचानक उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई।

बताया गया की अनिल कुमार ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में दर्द की शिकायत के बाद वे बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल को सूचित किया। डॉक्टर घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को किशनगंज सदर अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है।

कुछ दिन पहले से चल रहे थे बीमार

मृतक की पत्नी प्रेमलता देवी ने बताया कि सुबह अनिल कुमार अस्वस्थ महसूस कर रहे थे और ड्यूटी पर जाने से पहले उन्होंने खाना खाया था। हालांकि, उनकी तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब थी, इसलिए उन्होंने भतीजे को साथ भेजा था। भतीजे ने फोन कर बताया कि अनिल कुमार बेहोश हो गए हैं। मृतक के भाई विजय कुमार यादव ने बताया कि अनिल 2005 से शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। उनकी अचानक हुई इस मौत से पूरे परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने रोकी 139 सीओ की सैलरी

बोले- पदाधिकारी नहीं सुधरे, तो उन्हें सुधारने के लिए आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी

पटना, एजेंसी। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने जमीन सर्वे और दाखिल-खारिज से संबंधित प्रक्रिया में गड़बड़ करने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 139 सीओ (अंचल पदाधिकारियों) का वेतन रोक दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर पदाधिकारी नहीं सुधरे, तो उन्हें सुधारने के लिए आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में जायसवाल ने यह भी कहा कि वह विलंब से मंत्री बने, इसलिए कार्रवाई में देरी हुई।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को सदन में कहा कि सुस्त अंचलाधिकारियों की सूची तैयार कर ली गई है। विभाग की ओर से अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारियों की जांच के बाद नए सिरे से एक्शन लिया जाएगा।

इस बीच एआईएमआईएम के विधायक अख्तरूल ईमान अपनी सीट से खड़े हुए और उन्होंने अंचल स्तर पर अस्वीकृत किए गए आवेदनों का निपटारा डीसीएलआर स्तर पर न करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी रैयत के खातियान का अगर 30-35 कार्यदिवस में दाखिल-खारिज नहीं हुआ है। ऐसे आवेदनों को डीसीएलआर के पास भेजा जा रहा है। रैयत को इसकी सूचना नहीं मिल पा रही है। डीसीएलआर के नाम पर उन्हें 15 से 20 हजार रुपये रिश्वत देनी पड़ रही है। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि नियमों के अनुसार अगर कोई अधिकारी अपनी जांच पूरी कर देता है, तो फिर दोबारा उसे ही जांच के लिए नियुक्त नहीं किया जाता है। ऐसे में ईमान की मांग बेबुनियाद है। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री

दिलीप जायसवाल ने जमीन सर्वे और दाखिल-खारिज से संबंधित प्रक्रिया में गड़बड़ करने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 139 सीओ (अंचल पदाधिकारियों) का वेतन रोक दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर पदाधिकारी नहीं सुधरे, तो उन्हें सुधारने के लिए आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एक अन्य सवाल के जवाब में जायसवाल ने यह भी कहा कि वह विलंब से मंत्री बने, इसलिए कार्रवाई में देरी हुई।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को सदन में कहा कि सुस्त अंचलाधिकारियों की सूची तैयार कर ली गई है। विभाग की ओर से अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारियों की जांच के बाद नए सिरे से एक्शन लिया जाएगा।

इस बीच एआईएमआईएम के विधायक अख्तरूल ईमान अपनी सीट से खड़े हुए और उन्होंने अंचल स्तर पर अस्वीकृत किए गए आवेदनों का निपटारा डीसीएलआर स्तर पर न करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी रैयत के खातियान का अगर 30-35 कार्यदिवस में दाखिल-खारिज नहीं हुआ है। ऐसे आवेदनों को डीसीएलआर के पास भेजा जा रहा है। रैयत को इसकी सूचना नहीं मिल पा रही है। डीसीएलआर के नाम पर उन्हें 15 से 20 हजार रुपये रिश्वत देनी पड़ रही है। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि नियमों के अनुसार अगर कोई अधिकारी अपनी जांच पूरी कर देता है, तो फिर दोबारा उसे ही जांच के लिए नियुक्त नहीं किया जाता है। ऐसे में ईमान की मांग बेबुनियाद है।

वहीं, बीजेपी विधायक पवन जायसवाल के एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि उन्हें मंत्री बनने में समय लगा, इसलिए कार्रवाई में देरी हुई। दरअसल, पूर्वी चंपारण जिले के एक सरकारी स्कूल की जमीन की जमाबंदी दूसरे के नाम कर दिया गया था। मंत्री ने आश्वासन दिया कि एक माह के भीतर दोषी सीओ पर कार्रवाई की जाएगी।

गया में भारतमाला परियोजना का 55 किलोमीटर काम बचा

- डीएम ने दिए तेजी से काम पूरा करने के निर्देश, परियोजना की प्रगति का लिया जायजा

गया, एजेंसी। गया में भारतमाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन सड़कों को तेजी से पूरा करने का फरमान डीएम त्यागराजन ने दिया है। उन्होंने शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी सारा अशरफ, जिला भू अर्जन पदाधिकारी रविन्द्र राम और कई अंचल अधिकारियों के साथ गांगटी से गुरारू तक परियोजना की प्रगति का जायजा भी लिया।

यही नहीं मथुरापुर स्थित बेस कैंप में अधिकारियों संग बैठक कर वस्तुस्थिति पर चर्चा भी की। डीएम ने परियोजना में लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने और

काम में तेजी लाने का सख्त निर्देश दिया है।

भूमि विवाद और मुआवजा पर फोकस: डॉ. त्यागराजन ने बताया कि परियोजना के तहत जिले में 55 किलोमीटर सड़क निर्माणाधीन है। हालांकि, भूमि से संबंधित कुछ मामले लंबित हैं। गंगटी, धरमपुर और काज मौजाओ में रैयती करण से जुड़े मुद्दों को जल्द निपटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कहा गया है

। कहा गया है इस काम में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परैया और गुरारू क्षेत्र में भूमि चकबंदी और मौजा विवादों पर भी तेजी से कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने भूअर्जन के लंबित मुआवजा मामलों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

परियोजना से विकास को मिलेगी रफ्तार: भारतमाला परियोजना के कार्यकारी एजेंसी को स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएम ने कहा, इस सड़क के बनने से गया से दरभंगा की दूरी 210 किलोमीटर से घटकर 2.5 घंटे रह जाएगी। यह क्षेत्र के विकास के लिए बेहद अहम है।

मानवता शर्मसार

एचआईवी पीड़ित महिला की मौत के बाद परिजनों ने शव को लेने से किया मना

छपरा , एजेंसी। छपरा में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। एक एचआईवी पीड़ित महिला की मौत के बाद छपरा सदर अस्पताल में पिछले 24 घंटे से लावारिस हालत में महिला का शव पड़ा हुआ है। वहीं महिला की दो बच्चियां अपने पिता के आने का इंतजार कर रही हैं। महिला उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले की रहने वाली बताई जाती है। छपरा सदर अस्पताल में बीमार महिला को परिजनों ने भर्ती कराया था। सदर अस्पताल के कर्मचारी एचआईवी पीड़ित महिला की देखभाल कर रहे थे। उधर छपरा सदर अस्पताल में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर इस महिला के मौत के बाद परिजन शव को लेकर क्यों नहीं जा रहे हैं।

फर्जी वीजा पर विदेश भेजने वाले गिरोह का बिहार में बड़ा नेटवर्क

मुजफ्फरपुर और गोपालगंज में एनआईए का छापा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। गलत वीजा पर काम के बहाने बेरोजगारों को विदेश भेजने वाले बड़े नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका पर एनआईए की टीम ने गुरुवार सुबह करजा थाना क्षेत्र के चमरुआ गांव में छापेमारी की। यहां ग्रामीण मो. मुमताज के पुत्र मो. आबिद व उसके परिजनों से उसके घर में घंटों पूछताछ की गई।

इस दौरान एनआईए की टीम ने मुमताज के घर के पास किसी को फटकने भी नहीं दिया। पूछताछ के दौरान एनआईए ने स्थानीय बीडीओ और करजा थाने की पुलिस को भी चमरुआ बुलाया। उधर गोपालगंज में एनआई की टीम ने आधा दर्जन स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए के अधिकारियों ने करीब दो घंटे तक आबिद से पूछताछ की। परिवार वालों से अलग-अलग पूछताछ की गई। आबिद के मोबाइल को टीम ने खंगाला व कागजातों की जांच की।

टीम आबिद का मोबाइल और बैंक पासबुक भी जब्त कर साथ में ले गई है। इस दौरान स्थानीय अधिकारी भी मौजूद थे, लेकिन किसी भी अधिकारी ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मो. आबिद ग्रिल मिस्त्री है व एक दुकान में ग्रिल बनाने का कार्य करता है। एनआईए सूत्रों ने बताया कि फर्जी तरीके से गलत वीजा पर काम के लिए विदेश भेजे गए युवक दूसरे देश में फंसे हुए हैं। उसे कंपनी वाले नहीं आने दे रहे हैं। जिसने बेरोजगारों को विदेश भेजा था, उसके मोबाइल से आदिब के नंबर पर बातचीत हुई है। करजा थाने की पुलिस ने बताया कि एनआईए की देश स्तर पर कार्रवाई चल रही है।

ब्रह्मपुरा में तस्कर ने विदेश भेजने के लिए खोल रखा था ऑफिस

मुजफ्फरपुर से फर्जी वीजा पर विदेश भेजने वाले मानव तस्करों का बड़ा रैकेट बीते कई वर्षों से सक्रिय है।

अच्छी सैलरी पर बेरोजगारों को विदेश भेजने के नाम पर फंसाया जाता है। उनसे ठगी की जाती है और बेरोजगारों को मानव तस्करी के विदेशी नेटवर्क के हाथों सौदा कर दिया जाता है। बीते फरवरी माह में इसी तरह के एक बड़े नेटवर्क का मुजफ्फरपुर में खुलासा हुआ था। चमरुआ में आबिद के घर पर छापेमारी के दौरान उसके खाते में बड़ी राशि भेजे जाने की भी चर्चा है। जिसके संबंध में एनआईए के अधिकारियों ने भी काफी देर तक पूछताछ की है।

ब्रह्मपुरा के मेहदी हसन चौक के पास के मानव तस्करों ने विदेश भेजने वाली कंसल्टेंसी के नाम पर अपना कार्यालय खोल रखा था। मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, सीवान, छपरा, समस्तीपुर, दरभंगा समेत आसपास के जिलों के 17 बेरोजगारों को फर्जी वीजा पर उज्बेकिस्तान भेजने की तैयारी थी। बेरोजगारों को मानव तस्करों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर बुलाया था। जहां पर फर्जी वीजा दिया गया।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

30 नवंबर तक चलेगा कालाजार उन्मूलन अभियान

- प्रा.स्वा०केन्द्र, घोडासहन, पताही, अरेराज एवं रामगढवा को छोडकर सभी प्रखंडो में चलेगा अभियान
- जिले में है कालाजार का 24 मरीज जिनमें पीकेडीएल का 05, भीएल का 19 मरीज

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के 23 प्रखंडो में कालाजार के उन्मूलन हेतु "हाउस टू हाउस" आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा अभियान चलाते हुए प्रचार गाड़ी के साथ माईकिग कर खोज किया जा रहा है। यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा, वहीं कालाजार उन्मूलन के कारण जिले के प्रा०स्वा०केन्द्र, घोडासहन, पताही, अरेराज एवं रामगढवा में घर- घर कालाजार उन्मूलन अभियान नहीं चलाया जा रहा है। जिले के डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की आशा कार्यकर्ताओं के उपयोग हेतु कालाजार घर-घर खोज पंजी, रेफरल कार्ड एवं प्रचार प्रसार हेतु बैनर हस्तगत कराया गया है। रूट चार्ट के अनुसार कालाजार से प्रभावित ग्राम के आधार पर 700 रू० प्रतिदिन के दर से माईकिग कराने हेतु बजट भी उपलब्ध कराया गया है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों को जागरूकता हेतु कालाजार से प्रभावित ग्रामों में माईकिग कराने, संबंधित फोटो, विडियो आदि शेयर करें। डीभीडीसीओ डॉ शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा कालाजार उन्मूलन लक्ष्य के स्तर को बनाये रखने हेतु कालाजार/पीकेडीएल/ भी एल के छुपे हुए रोगियों की घर-घर खोज कर ससमय जाँच एवं उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। कालाजार होने पर मुख्यमंत्री श्रम क्षतिपूर्ति योजना अन्तर्गत 6600 रुपए और भारत सरकार द्वारा 500 रुपए दिए जाते है वहीं पीकेडीएल उपचार पूर्ण होने पर 4000 रु की सरकारी सहायता दी जाती है।

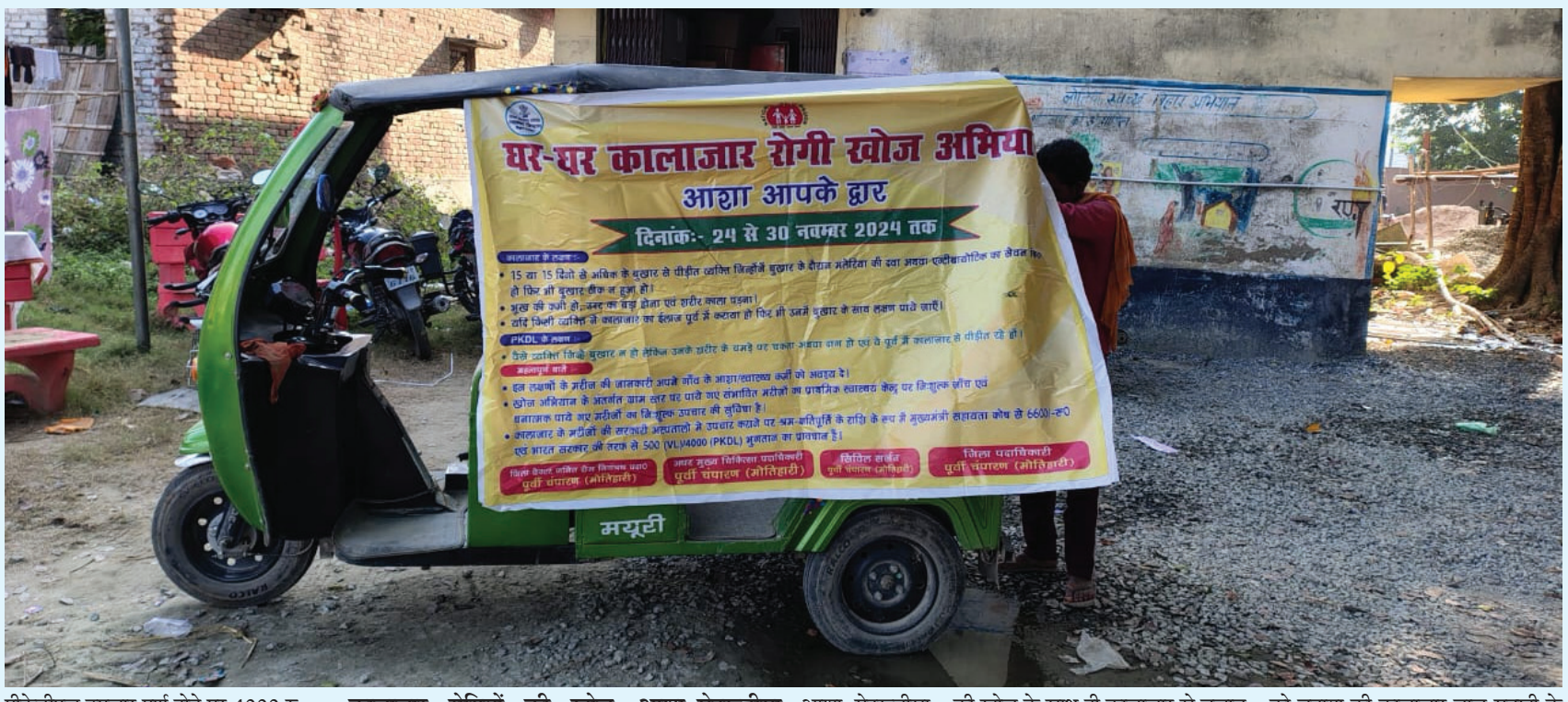

कालाजार रोगियों की खोज के साथ जागरूक कर रहीं है आशा मेहरून्नीसाः आशा मेहरून्नीसा तुरकौलिया प्रखंड क्षेत्र में कालाजार मरीजों की खोज के साथ ही कालाजार से बचाव का संदेश दे रहीं है। मेहरून्नीसा ने लोगों को बताया की कालाजार बालू मक्खी के काटने से होता है, उन्होंने लक्षण देखते हुए लोगों को जाँच कराने की बातें बताइ, साथ ही बचाव हेतु जागरूक कर रहीं है।

भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार एवं कसलटेंट अभिषेक कुमार ने बताया की जिले में है कालाजार का 24 मरीज जिनमें पीकेडीएल का 05, भीएल का 19 मरीज है। तुरकौलिया प्रखंड क्षेत्र में आशा मेहरून्नीसा के द्वारा रोगी खोज के दौरान संदिग्ध लोगों से केस हिस्ट्री लिए जा रहें है। उन्होंने बताया की 15 दिनों से अधिक समय बुखार से पीड़ित व्यक्ति जिन्होंने बुखार के दौरान मलेरिया की दवा अथवा एन्टीबायोटिक दवा का सेवन किया हो एवं उसके बाद भी बुखार ठीक न हुआ हो, भूख की कमी एवं उदर का बड़ा होना जैसे लक्षण हो उन्ही व्यक्तियों की जाँच आर के -39 किट द्वारा किये जाने हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को रेफर किया जाना है। वैसे मरीज जो दो या तीन दिनों के बुखार पीड़ित हो उनका फालोअप 15 दिनो के बाद किया जाना है। उन्होंने बताया की सदर अस्पताल मोतिहारी के साथ जिले के चकिया, मधुबन, कल्याणपुर सदर अस्पताल मोतिहारी में इलाज की व्यवस्था उपलब्ध है, वहीं जिले के सभी पीएचसी में कालाजार की जांच की जाती है।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 40 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 40 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी गण के द्वारा सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश एडीएम के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। आज के कार्यक्रम में अपर समाहर्ता के साथ एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र भारती, वरीय उप समाहर्ता सह प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा अमरेश कुमार, वरीय उप समाहर्ता यशवंत कुमार ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में लेंगे भाग

बीएनएम। मोतिहारी

जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने जिला स्तरीय युवा महोत्सव प्रतियोगिता 2024 में चयनित प्रतिभागी को हरी झंडी दिखा कर शुक्रवार को लखीसराय रवाना किया। यह प्रतियोगिता 30 नवंबर से 2 दिसम्बर तक लखीसराय में आयोजित है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से मिल उनका उत्साहवर्धन किया और अपने कला से जलवा बिखेर जिले का नाम रौशन करने की बात कही। पूर्वी चंपारण के कलाकारों ने समय-समय पर राज्य और देश स्तर पर भी गौरवान्वित होने का मौका दिया है। वहीं कलाकारों ने भी जिलाधिकारी को भरोसा दिलाया कि वे लोग अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देने का प्रयास करेंगे। टीम में कलाकार समेत 21 लोग शामिल हैं। टीम लीडर के तौर पर बनकटवा प्रखंड के विद्यालय शिक्षक सन्नी कुमार शर्मा और शिक्षिका आकृति कश्यप साथ गयें। मालूम हो कि शहर के महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में पिछले दिनों जिला स्तरीय प्रतियोगिता हुई थी, उसमें विभिन्न विधाओं के कलाकारों का चयन किया गया था। चयनित कलाकारों को ही लखीसराय भेजा गया है। राज्यस्तरीय युवा महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कलाकार को राष्ट्रीय युवा उत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

एमजीसीयू के द्वितीय दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशाशन की बैठक आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के द्वितीय दीक्षांत समारोह की तैयारियों के लिए आज दोपहर 12:00 बजे राजा बाज़ार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह , में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। इसमें मोतीहारी के जिलाधिकारी (डीएम) सौरभ जोरवल सहित उप-मंडलाधिकारी (एसडीएम), अतिरिक्त जिला अधिकारी (एडीएम), विश्वविद्यालय के विभिन्न समिति समन्वयक और सदस्य उपस्थित थे। एमजीसीयू का द्वितीय दीक्षांत समारोह 7 दिसंबर 2024 को आयोजित किया जाएगा। इस गरिमामयी समारोह के मुख्य अतिथि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ होंगे। बैठक की शुरुआत प्रो. प्रसून दत्त सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने जिला प्रशासन को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और विश्वविद्यालय

के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कुलपति की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए दीक्षांत समारोह के लिए तय प्रोटोकॉल और तैयारियों की जानकारी दी। मोतीहारी के जिलाधिकारी ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति के आगमन, ठहराव और प्रस्थान के दौरान पालन किए जाने वाले प्रोटोकॉल पर जोर दिया। उन्होंने कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए अपनी योजनाओं की जानकारी दी और विश्वविद्यालय के सदस्यों से प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करने की अपील की। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय दूसरी बार दीक्षांत समारोह का आयोजन कर रहा है। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति की मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति हम सबके लिए गर्व का विषय है। ऐसे कार्यक्रमों से प्राप्त ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग हम अपने संस्थानिक विकास में भी कर रहे हैं। हमारा सामूहिक, समेकित और समन्वित प्रयास इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक सफलता दिलाएगा। बैठक में प्रो. शहाना मजूमदार, प्रो. विकास पारीक, प्रो. आनंद प्रकाश, प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सुनील महावर, प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. अजय कुमार गुप्ता, डॉ. श्याम नंदन और अन्य समिति सदस्य उपस्थित थे। इस बैठक में एमजीसीयू और जिला प्रशासन के सहयोग से दीक्षांत समारोह को गरिमामय और यादगार बनाने के लिए ठोस रणनीतियों पर चर्चा की गई।

बीईओ का रिश्वत लेने का वीडियो वायरल, डीईओ ने दिया जांच का आदेश

बीएनएम। मोतिहारी/रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र के सकरार उच्च विद्यालय के शिक्षक सुमन राम से बीईओ रामाधार पांडेय द्वारा लोन वाले पे फिक्सेशन के कागज पर हस्ताक्षर करने के लिए 700 रुपया रिश्वत लेने का बातचीत की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि इस वायरल वीडियो की पुष्टि बॉर्डर न्यूज मिरर नही करता है। इस बावत शिक्षक सुमन राम ने बताया कि लोन लेने हेतु पे फ़िक्सेशन पर बीईओ का हस्ताक्षर जरूरी होता है, जिसके बाद ही लोन मिलता है। इसी पर हस्ताक्षर कराने वे बीईओ के पास बीआरसी गए थे, जिसके बाद रुपया दिए तब ही बीईओ हस्ताक्षर किये। इस बाबत सुमन राम ने रिश्वत से सम्बंधित एक आवेदन भी दिया है। वही बीईओ रामधार पाण्डे ने अपने व्यान में बताया कि जानबूझ कर हमे फसाया जा रहा है यह मामला प्रभार लेने देने की है। इन्होंने कहा कि सकरार उच्च विद्यालय में वरीय शिक्षक को प्रभार दिया गया इसी मैटर को लेकर यह सब मेरे साथ साजिश किया गया है। वही वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकरी ने प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकरी से स्पष्टीकरण पूछते हुए जाँच का आदेश दिया है। डीईओ ने कहा है, कि जाँच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाई की जाएगी।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

स्मार्ट मीटर के फीडबैक जांच के लिए उदयपुर से रक्सौल डिवीजन पहुँची टीम

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल डिवीजन में विधुत स्मार्ट मीटर उपभक्ताओ के समस्या के निराकरण एवं इंस्टॉल स्मार्ट मीटर के जांच के लिए उदयपुर से एक्सयूटिव स्तर के दो सदस्यीय टीम रामगढ़वा एवं रक्सौल पहुँची। एक्सयूटिव (सर्विस) ऑफिसर मर्सिना पामेई एवं रुची नानवानी ने संयुक्त रूप से रामगढ़वा प्रखण्ड के अहिरौलिया, लछुमनवा, मौजे, दुबौलिया एवं मुर्गिया टोला में जाकर स्मार्ट मीटर के उपभोक्ताओं से बातचीत करके स्मार्ट मीटर के फीडबैक में जानकारी लिया। विधुत उपभोक्ता नवल किशोर सिंह , होदा मिंया, प्रमोद यादव ने स्मार्ट मीटर के उपयोग के अनुभव को साझा करते हुए खुशी व्यक्त किया। स्मार्ट मीटर के उपभक्ताओ ने स्मार्ट मीटर का काफी सराहना किया। उन्होंने कहा कि उपभोग किए गए विद्युत की राशि कटौती की जानकारी आसानी से मिल जाती है। घर के

लोड भी अपने खर्च के अनुसार घटा बढा लेते है। इससे हमारी पैसे बचते है। बकाया राशि किश्तों में कटने से ज्यादा आर्थिक भार नही पड़ता है। वही ग्रामीण अरबिंद पांडेय ने गाँव स्तर पर स्मार्ट मीटर रिचार्ज काउंटर एवं प्रखण्ड स्तर पर हेल्प डेस्क बनाने का सुझाव दिया। डिफॉरमेन्ट कटौती की पूरी जानकारी बिहार सुगम स्मार्ट मीटर से नही मिल पाती है। इसको सुधार किया जाए। सिक्योर मीटर के एक्सक्यूटिव अधिकारी रुची निनवानी ने सभी समस्याओं को लिखा और निदान करने की बात कही। वही मीटर इन्सटॉल करने वाले कर्मचारियों एवं सेक्शन इंचार्ज लव कुमार से भी अधिकारियो ने बातचीत किया। सेक्शन इंचार्ज ने रामगढ़वा सेक्शन में एमएमआर इंस्टॉलर एवं ऑपरेशन एंड मेन्टेन्स इंस्टॉलर बढ़ाने का आग्रह किया। ताकी स्मार्ट मिटर इंस्टॉलेशन के लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा किया जा सकें।

इस जाँच टीम में सिक्योर मीटर उदयपुर से एक्सयूटिव ऑफिसर मर्सिना पामेई रुची नानवानी, डिवीजन इंचार्ज प्रेम शंकर पांडेय, सेक्शन इंचार्ज लव कुमार, कॉन्ट्रैक्टर सुपरवाइजर विनय कुमार, इंस्टॉलर रोहित कुमार, विनय कुमार, अरविंद पांडेय शामिल थे।

रक्सौल जंक्शन से रेलवे का लोहा चोरी करते दो नेपाली व एक भारतीय चोर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल आरपीएफ ने रेलवे का लोहा चोरी करते तीन चोर को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।इसकी जानकारी देते पोस्ट कमांडर इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने बताया कि पकड़े गये तीन में से दो नेपाली और एक भारतीय नागरिक है।ये सभी रेलवे का लोहा चोरी कर नेपाल की तरफ ले जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान तीनो को पकड़ लिया गया। इंस्पेक्टर श्री कश्यप ने बताया कि पूछताछ के दौरान इन चोरों ने बताया कि वह रेलवे का लोहा चोरी

नेपाल में बेचने की थी तैयारी

कर नेपाल ले जा रहे थे, जहां इसे बेचते।उन्होने बताया कि पोस्ट के उप निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा गश्ती बल के साथ रक्सौल स्टेशन के भेलवा साइड यार्ड की तरफ गश्ती के क्रम में इन तीनो संदिग्ध स्थिति में पकड़ा। वे अपने कंधे पर प्लास्टिक का बोरा रखकर आ रहे थे। पुलिस बल को देखते ही तीनों घबराकर भागने लगे। आरपीएफ ने इनको घेरकर पकड़ लिया। पकड़े गए तीनों चोरों की पहचान रक्सौल के बड़ा परेआ मुन्ना महतो उर्फ मुन्ना नुनिया उम्र लगभग 38 वर्ष पिता शंकर महतो, नेपाल के परसा जिला के इनरवा भवानीपुर निवासी जितेन्द्र दूबे उम्र लगभग 52 वर्ष, पिता आनंद दूबे और नेपाल परसा जिला के इनरवा श्रीपुर निवासी संतोष राउत कुर्मी उर्फ़ संतोष पटेल उम्र लगभग 36 वर्ष, पिता मंगल राउत कुर्मी के रूप में हुई है। इनके पास से तीन बोरे में रखे 57 अदद रेलवे का लोहा पेंडल क्लिप बरामद किया गया है।इस मामले में अग्रतर कारवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध अवस्था में विवाहिता का शव उसके ससुराल से बरामद

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के घोड़ासहन पुलिस द्वारा शुक्रवार की शाम संदिग्ध अवस्था में एक विवाहिता के शव को उसके ससुराल स्थित घर से बरामद किया है। मामला घोड़ासहन थाना क्षेत्रान्तर्गत राजवाड़ा पुरवारी टोला की बताई जाती है। मृतका की पहचान संबंधित गांव निवासी संतोष महतो की 21 वर्षीय पत्नी बंधन देवी के रूप में किया गया है। पुलिस के मुताबिक ससुराल के सभी लोग फरार बताया जा रहे हैं। सूचना पर थाना के पुअनि मोहम्मद शोएब सशस्त्र बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को कब्जे में कर अंत्यपरीक्षण हेतु मोतिहारी भेज दिया है। इधर मृतका के पिता ढाका थाना क्षेत्र के करसहिया निवासी जयनारायण महतो ने दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला स्थित सिसवा गांव के नजदीक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो चचेरे भाईयों की मौत हो गई। दोनों भाईयों का मामा बुरी तरह से जख्मी हो गया। मृत युवकों की पहचान पश्चिम चंपारण जिला के मैनाटांड़ थाना के सुखलही अहरवलिया गांव निवासी धनजंय कुमार व अजय कुमार के रूप में हुई है। घायल की पहचान सितवापुर गांव निवासी भोला राम के रूप में हुई है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनो युवको अस्पताल पहुचाया। जांच पड़ताल के बाद डॉक्टर ने दो को मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने दोनो युवकों को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया भेज दिया। पुलिस ने बताया कि गांव के लोगों द्वारा लगभग डेढ़ बजे के आसपास लाश को सड़क पर पड़े होने की जानकारी दी गई।घटनास्थल पर ही दोनो युवको की मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम के बाद लाश को परिजनों के हवाले कर दिया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोनो युवक अपने मामा को बाइक से सितवापुर गांव छोड़ने आ रहे थे। तीनो एक ही बाइक पर सवार थे।सिसवा गांव के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे घटना स्थल पर ही दोनो युवको ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने तीनों को अस्पताल पहुँचा दिया। लेकिन दोनो युवक दम तोड़ चुके थे।

रेलवे फाटक पर तैनात गेट मैन शराब के नशे में गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के जितना थाना क्षेत्र के जयमूर्तिं नगर हॉल्ट के गेट संख्या 16सी पर तैनात गेट मैन पवन कुमार को शराब के नशे मे गेट पर रात्रि ड्यूटी करते गिरफ्तार किया गया। थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि रात्रि गश्ती के दौरान फाटक पर पहुंचने के बाद गेट मैन को गेट खोलने को कहा तो गेट मैन ने कहा की मेरा मन होगा तो फाटक खोलेंगे नही तो नही खोलेंगे और बतसलुखी से बात कर रहा था। बातचीत के दौरान उसके मूंह से शराब की दुर्गंध आर रही थी,जिसे पकड़ कर थाना पर लाया गया और मेडिकल जांच कराया गया । रिपोर्ट मे अल्कोहल की मात्रा पाया गया जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया।इसकी पुष्टि रक्सौल आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने भी की है।

अधिवक्ता पुत्र ऋषभ रंजन बने न्यायिक पदाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के आजाद नगर मानसपुरी निवासी वरीय अधिवक्ता रंजन कुमार एवं प्रतिमा वर्मा के बड़े पुत्र ऋषभ रंजन ने 32वीं बिहार न्यायिक सेवा में सफलता हासिल की है। उसे मेघा सूची में 44वां रैंक हासिल हुआ है। उनकी इस सफलता पर जिला विधिज्ञ संघ व जिले भर अधिवक्ताओ और उनके परिजनों में अपार हर्ष व्याप्त है। मूलतः जिले के केसरिया राजपुर के रहने वाले ऋषभ की प्रारंभिक शिक्षा मोतिहारी में हुई। उच्च शिक्षा के लिए वे महानगर चले गए। जहां ऋषभ ने 2019 में एमिटी लॉ स्कूल, दिल्ली से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। वह कानून के पढ़ाई के साथ ही न्यायिक सेवा की तैयारी में जुट गये। इस दौरान उन्हें कुछ आंशिक सफलताएं भी मिलीं। उन्होंने चार राज्यों की न्यायिक सेवा परीक्षाओं का मुख्य परीक्षा स्तर तक सफर तय किया और पिछले साल 31वीं बिहार न्यायिक परीक्षा 2022 में लिखित परीक्षा में सफलता के बावजूद साक्षात्कार में कुछ अंकों से पीछे रह गए और फाइनल सलेक्टशन लिस्ट में उनका नाम नहीं आ सका। धुन

के पक्के ऋषभ ने इस बार 32वीं न्यायिक परीक्षा में सफलता हासिल कर न्यायाधीश के रूप में परचम फहरा दिया। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, भाई व दोस्तों को देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके परिवार के समर्थन और कठिन परिश्रम तथा अपने दादा जी के शिक्षा के आदर्शों का परिणाम है।उनकी इस सफलता पर जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष शेषणारायण कुंवर, महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी, पूर्व महासचिव डा.नरेंद्र देव, कन्हैया कुमार सिंह, केशव कुमार वर्मा, नरेंद्र मिश्रा, सत्यनारायण गिरि, दिनेश्वर प्रसाद, प्रभाष त्रिपाठी, मनोज तिवारी, सुरेश चौधरी सहित अन्य अधिवक्ताओं ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मोतिहारी पुलिस ने ऑपरेशन बिना नंबर प्लेट अभियान 31 बिना नम्बर वाहन किये जब्त

बीएनएम। मोतिहारी

एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जिले भर में बिना नंबर प्लेट के वाहन के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में 31 वाहन जब्त किए गए हैं। जिसके कागजातों को खंगाला जा रहा है। बताया गया है,कि बिना नम्बर प्लेट की गाड़ी का प्रयोग चोरी, अपराध, शराब तस्करी, लहेरिया कट ड्राइव,ओवरस्पीडिंग, इंस्टाग्राम रील बनाने इत्यादि में हो रहा है। ऐसे में एसपी स्वर्ण प्रभात ने सभी थाना को निर्देश दिया है,कि ऐसे वाहन को जप्त कर फाइन वसूली के साथ ही , वाहन चालक को 24 घंटे तक लॉक अप में रखा जाये।साथ ही पूरी सत्यापन के पश्चात ही उन्हे छोड़ा जाए।इसके साथ ही लड़के के माता पिता से लिखित जानकारी देंगे की उनका पुत्र दुबारा ऐसी गलती नही करेगा तभी उन्हे थाने से छोड़ा जाएगा।वैसे वाहन मालिक जिन्होंने नई गाड़ी खरीदी है वो गाड़ी का कागज पुलिस को दिखाए, पुलिस आश्वत कर रही है कि उन्हें कोई परेशानी नही होगी ।

बेला पैक्स मे संदिग्ध मत पत्र मामले की जांच के लिए डीसीओ पंहुचे मतगणना केंद्र

बीएनएम। रामगढ़वा

बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के सभी तेरह पंचायतों में मतगणना शुरू हुआ था जिसमे बारह पंचायतों का पैक्स रिजल्ट घोषित कर दिया गया था। वही बेला पंचायत में फर्जी मत पत्र मिलने से वहां का रिजल्ट रोक दिया गया था जिसका शुक्रवार को बेला पैक्स मे फर्जी मतपत्र के मामले की जांच डीसीओ प्रिंस अनुपम नें किया। सभी कार्य वीडियो ग्राफी के अंतर्गत हुआ।इसमें प्रत्याशियों के गणण अभिकर्ताओं के सामने यह जांच की गई कि मत पेटी मे कितने बैलेट फर्जी हैं। डीसीओ नें बताया कि जांच के दौरान 118 फर्जी मत पत्र मिले हैं।इसमें 5 बोगस हैं और एक बूथ पर 86 और दूसरे बूथ पर 27 फर्जी बैलेट मिले हैं। फर्जी मत पत्रों की वीडियोग्राफी की गई है और इसका प्रतिवेदन जिला पदाधिकारी को दिया जाएगा। इसके बाद जो निर्णय आएगा उसके अनुसार कार्यवाही की जाएगी।यहां बता दें कि मतगणना के बाद प्रत्याशी संजू देवी नें मतदान से ज्यादा मत पत्र काउंटिंग के दौरान निकलने की शिकायत की थी। प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बेला पैक्स मे कुल मतदान का आंकड़ा 1134 जारी किया था। लेकिन काउंटिंग के दौरान 1252 मतपत्र निकले।इसकी शिकायत पर निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ राकेश कुमार सिंह नें खुद इसकी जांच की और मत पेटिका से 118 ज्यादा मत निकला देख वे भी आश्चर्य चकित हो गए। इसकी जिला मे इन्होने प्रतिवेदन किया और सहकारिता के राज्य प्राधिकरण के निर्देश पर डी एम नें डीसीओ को जांच के लिए भेजा। डीसीओ के साथ बीडीओ राकेश कुमार सिंह, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार, बीसीओ अशोक पन्ना इत्यादि मौजूद रहे।

न्यायाधीश के निर्देश पर विधिक जागरूकता का हुआ आयोजन

बीएनएम। मझौलिया

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिम चम्पारण के सचिव सह अवर न्यायाधीश अमरेंद्र कुमार राज के निर्देश पर, आगामी 14 दिसम्बर को व्यवहार न्यायालय परिसर बेतिया मे लगने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर में पारा विधिक स्वयंसेवक अवधेश कुमार गुप्ता के द्वारा मझौलिया प्रखण्ड क्षेत्र में विधिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए राष्ट्रीय लोक अदालत तथा लोक अदालत से मिलने वाले लाभ से अवगत कराया। स्वयंसेवक ने कहा कि आगामी 14 दिसम्बर को व्यवहार न्यायालय परिसर बेतिया में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होना है, आप सभी सुलह योग्य आपराधिक मामलों, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, राजस्व, दीवानी, मोटर वाहन दुर्घटना दावा, बैंक ऋण, वन संबंधित वाद, माप तौल संबंधित वाद एवं अन्य सभी प्रकार के सुलहनये वादों का निस्तारण, आपसी सहमती व सद्भाव से करा

सकते है। उन्होंने कहा की जो लोग राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने पुराने व लम्बित वाद का निस्तारण आपसी सहमति से कराना चाहते हैं, वे समय पूर्व, सिविल कोर्ट परिसर स्थित लोक अदालत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एवं न्यायालय के द्वारा लोगों की भलाई के लिये, समय समय पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता हैं। आप इससे लाभ उठायें एवं अपने पास पड़ोस के लोग व रिश्तेदारों को भी लाभ उठाने के लिए जागरूक करें। इसके अलावा उन्होंने न्याय विभाग द्वारा संचालित टेली लॉ योजना के बारे में बताया कि देश का कोई भी नागरिक, टेली लॉ योजना अंतर्गत घर बैठे वरिष्ठ वकीलों से टेलीफोनिक व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दहेज, पारिवारिक विवाद, तलाक, घरेलू हिंसा, महिला, बच्चों व वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण, कार्यस्थल पर लैंगिग उत्पीड़न, यौन दुर्व्यवहार, छेड़छाड़, जमीन जायदाद व संपति का अधिकार, महिला पुरूष के समान मजदूरी, मातृत्व लाभ, लिंग जाँच व भ्रूण हत्या रोकथाम, बाल विवाह रोकथाम, बाल श्रम, बाल मजदूरी, बाल अधिकार, एफआईआर लिखवाने और जमानत मिलने की प्रकिया, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के प्रति अत्यचार और पुनर्निवास जैसे मामलों मे निशुल्क कानूनी सलाह व सहायता ले सकते हैं।

मानवता के खिलाफ अपराध, नेतन्याहू पर आरोप

बेंजामिन नेतन्याहू अब उन कुख्यात लोगों की सूची में एक है जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप है। लोकतांत्रिक ढंग से चुन कर सत्ता में आए एक नेता का नाम आतंकवादी मोहम्मद डिएफ और युद्धोन्मादी तानाशाह पुतिन जैसों की लिस्ट में आ जाना, इजराइल और विश्व दोनों के लिए सदमे जैसा है। इससे एक ओर कूटनीतिक दृष्टि से कई देश असमंजस में फँसे हैं वही दूसरी ओर अमेरिका के ढोंग का पर्दाफाश भी है। सवाल है आखिर आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट या अन्तरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय) को यह कठोर फैसला क्यों लेना पड़ा? शुरूआत इस साल मई में हुई जब आईसीसी के अभियोजक करीम खान ने नेतन्याहू और इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री युआव गैलेन्ट पर जानते-बूझते गाजा युद्ध में भुखमरी को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और गाजा के नागरिकों पर हमले करने का आदेश देने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ वारंट जारी करने का अनुरोध किया। हालांकि उन्होंने यह माना कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का पूरा हक़ है लेकिन उनका कहना था कि इसके लिए नेतन्याहू ने जो तरीके अपनाए वे अमानवीय थे। खान ने सावधानी बरती और शातिरता से काम लेते हुए इजराइली सैन्य बलों के जनरलों के बजाए राजनैतिक नेताओं को निशाना बनाया। इसके अतिरिक्त, आरोप पत्र में कत्लेआम का आरोप भी नहीं लगाया गया। नेतन्याहू और गैलेन्ट के पास उन सुबूतों को चुनौती देने के लिए पर्याप्त समय था, जिनके आधार पर उन पर मानवता के विरूद्ध अपराध, जिनमें हत्या, उत्पीडऩ और अन्य अमानवीय कार्यों और भुखमरी के हालात बनाने के अपराध शामिल हैं, के आरोप लगाए गए थे। नेतन्याहू स्वयं एक स्वतंत्र आयोग के माध्यम से जांच करवाने की पहल कर सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। कदाचित इसलिए क्योंकि ऐसी किसी भी जांच से 7 अक्टूबर के भयावह घटनाक्रम के पहले उनके द्वारा की गईं गलतियां और भूलें भी जांच के दायरे में आ सकती थीं। 21 नवंबर को तीन न्यायाधीशों के एक पैनल ने पाया कि यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि इस तरह के अपराध किये गए हैं और इसलिए नेतन्याहू और गैलेन्ट के खिलाफ वारंट जारी किए गए। हालिया घटनाक्रम से खान के तर्क और मजबूत हुए हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ लगातार उत्तरी गाजा में अकाल की स्थितियों पनपने की चेतावनी दे रहा है क्योंकि वहां पिछले 40 दिनों से न के बराबर मानवीय मदद पहुंच पा रही है। लगभग उसी समय, 7 अक्टूबर के हमले के मास्टरमाइंड हमास नेता मोहम्मद डिएफ के खिलाफ भी वारंट जारी किया गया, जिसके बारे में इजराइल का दावा है कि वह उसे मार चुका है। खान ने इस नरसंहार के योजनकार याहया सिनवार और हमास के तत्कालीन प्रमुख इस्माइल हनीय के खिलाफ भी वारंट जारी करने का अनुरोध किया था। लेकिन इन दोनों अनुरोधों को वापिस ले लिया गया क्योंकि इसी वर्ष इजराइल ने इन दोनों को मौत के घाट उतार दिया था। इजराइल इस घटनाक्रम से भौचक्का है। नेतन्याहू को इस्तीफा देने की सलाह देने वाले विपक्षी नेता येअर लेपिड ने कहा, नेतन्याहू, सिनवार और डिएफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना अविश्वसनीय है। इन लोगों की कोई तुलना नहीं है। हमें यह अस्वीकार्य है। यह अक्षम्य है। प्रधानमंत्री के एक अन्य प्रतिद्वंद्वी बैनी गैन्स भी उनके समर्थन में सामने आए। नेतन्याहू ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इन्हें बेतुका और यहूदी विरोधी बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने आईसीसी को पक्षपाती और राजनीतिक आधार पर फैसला करने वाली संस्था बताया। पहली बात यह है कि आईसीसी का फैसला न तो यहूदी-विरोधी है और ना ही पक्षपातपूर्ण। व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ भी बच्चों को जबरदस्ती यूक्रेन से रूस भेजने के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है, जहां बहुत से रूसी परिवारों ने उन्हें गोद ले लिया है। यह वारंट भी लगभग वैसे ही आधरों पर जारी हुआ है। जहां तक इन आपत्तियों का सवाल है कि आईसीसी के न्यायाधीश इजराइल और हमास को एक तराजू में तौल रहे हैं, उसमें इसलिए दम नहीं है क्योंकि एक हत्यारा तो आखिरकार एक हत्यारा ही होता है, भले ही उसका दर्जा, उसकी राजनीति या विचारधारा कुछ भी क्यों न हो। इजराइल का यह तर्क भी खोखला है कि यह मामला आईसीसी के क्षेत्राधिकार के बाहर है। अमेरिका, चीन, भारत और रूस की तरह, इजराइल ने भी उस रोम समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए थे जिसके माध्यम से इस न्यायालय की स्थापना हुई थी। न ही इजराइल नेतन्याहू या गैलेंट को 'द हेगÓ (जहाँ आईसीसी का मुख्यालय है) प्रत्यर्पित करने वाला है, क्योंकि इजराइल आईसीसी का सदस्य ही नहीं है। लेकिन 124 देश, जिनमें से बहुत से इजराइल के मित्र और सहयोगी हैं, ऐसा कर सकते हैं। इसका मतलब यह है कि यदि नेतन्याहू इन देशों में से किसी की भी यात्रा पर जाएं तो उन्हें गिरफ्तार करना उस देश के लिए अनिवार्य होगा। कुल मिलकर नेतन्याहू अब केवल इजराइल में सुरक्षित हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से जो बात साफ़ उभर कर सामने आती है वह है अमेरिका का दोगलापन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बिना देरी किये इस फैसले की आलोचना की और उसे चौंकाने वाला बताया। अमेरिका ने कभी आईसीसी का समर्थन नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी सैनिकों पर लगे युद्ध अपराधों की जांच आईसीसी द्वारा किए जाने पर रोक लगा दी थी। लेकिन जो बाइडन ने यह रोक हटा दी और न्यायालय के साथ भागीदारी करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ युद्ध अपराधों के आरोप लगाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया था। अतीत में अमेरिका सूडान के पूर्व नेता उमर अल-बशीर के मामले में भी ऐसा ही कर चुका है। दुनिया भर में अब अमेरिका के रवैये की चर्चा हो रही है। इजराइल के स्वयं की रक्षा करने के अधिकार और 7 अक्टूबर के नरसंहार का बदला लेने को कोई गलत नहीं मानता, लेकिन गाजा में बेरहमी से की गई सैन्य कार्यवाही में किए गए अंधाधुंध हमलों में लगभग 40,000 फिलिस्तीनियों को, जिनमें से अधिकांश साधारण नागरिक थे, जान गंवानी पड़ी है। इसके अलावा लाखों अन्य लोग बेइंतिहा कष्ट भोग रहे हैं। यह तो ठीक नहीं है। यह तो गलत है। क्या यह अमानवीय नहीं है? क्या निहत्थे बेकसूर लोगों को बदले की कार्यवाही का निशाना बनाना ठीक है? यह लगभग निश्चित है कि अगले साल डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद बहुत कुछ बदल जाएगा, पलट जाएगा। लेकिन यदि पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करना उचित है, अफ्रीकी नेताओं के खिलाफ ऐसा किया जाना स्वीकार्य है, और उसी क्रम में यदि बेंजामिन नेतन्याहू के मामले में भी ऐसा ही किया जाता है, तो यह पूरी तरह औचित्यपूर्ण है। आखिर क्यों ऐसा नहीं होना चाहिए?

भारतीय आर्थिक दर्शन एवं प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

प्रहलाद सबनानी

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात हमारे किसी कार्य से किसी पशु-पक्षी, जीव-जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है। इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और याग्वल्य की याग्वल्य स्मृति में कहा गया है कि 'अर्थशास्त्रास्तु बलवत धर्मशास्त्र नीतिस्थिति'। अर्थात, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए। कौटिल्य, नारद एवं याग्वल्य कहते हैं कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थतंत्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुनार मृडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी 'एशियन ड्रामा' नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है 'अगेन्स्ट द स्ट्रीम'। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अधय्यन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दरिद्रता मिटाने में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है। प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हुआ, जिसका नाम यासक था। यासक ने 'निघंटू' नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं और प्रत्येक शब्द का अलग-अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते हैं। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए हैं। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दरिद्रता एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। 'ब्लैक मनी' नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मगलिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वाधिक महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खूब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है। अर्जित किए धन को केवल अपने लिए उपभोग करना, उस धन से केवल ऐय्याशी करना, केवल अपने लिए काम में लेना, अपने परिवार के लिए मौज-मस्ती करना आदि को ठीक नहीं माना गया है। अर्जित किए गए धन को समाज के साथ मिल बांटकर, समाज के हितार्थ उपयोग करना चाहिए। भारत के प्राचीन ग्रंथों में जीवन के उद्देश्य को पुरुषार्थ से जोड़ते हुआ यह कहा गया है कि धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष, इन चारों बातों पर विचार करके मनुष्य को सुखी करने के सम्बंध में विचार किया जाना चाहिए। इसी विचार के चलते भारत के मनीषियों द्वारा अर्थ और काम को नकारा नहीं गया है। कई बार भारत के बारे में वैश्विक स्तर पर इस प्रकार की भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में तो अर्थ और काम को नकार दिया गया है। प्राचीन काल में भी ऐसा कतई नहीं हुआ है। अगर, ऐसा हुआ होता तो भारत सोने की चिड़िया कैसे बनता? हां, भारत के प्राचीन शास्त्रों में यह जरूर कहा गया है कि अर्थ और काम को बेलगाम नहीं छोड़ना चाहिए। अर्थ और काम को मर्यादा में ही रहना चाहिए। धन अर्जित करने पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है परंतु यह धर्म का पालन करते हुए कमाना चाहिए। अर्थात, अर्थ को धर्म के साथ जोड़ दिया गया है। इसी प्रकार काम को भी धर्म के साथ जोड़ा गया है। उपभोग यदि धर्म सम्मत और मर्यादित होगा तो इस धरा का दोहन भी सीमा के अंदर ही रहेगा। अतः कुल मिलाकर अर्थशास्त्र में भी नैतिकता का पालन होना चाहिए। प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं वर्तमान अर्थशास्त्र में यह भी एक बहुत बड़ा अंतर है। आजकल कहा जाता है कि नीति का अर्थशास्त्र से कोई लेना-देना नहीं है। जबकि वस्तुतः ऐसी कोई भी अर्थव्यवस्था, अर्थतंत्र और विकास का कोई भी तंत्र जिसमें नैतिकता को स्वीकार न किया जाय वह चल नहीं सकती और वह समाज का भला नहीं कर सकती। अर्थ को प्रदान किए गए महत्व के चलते ही प्राचीनकाल में भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था। भारत के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक बहुत सम्पन्न हुआ करते थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े आदि उत्पादों का निर्यात भारत से पूरे विश्व को होता था। भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी रहती थी तथा उस खंडकाल में भारत का वैभव काल चल रहा था, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाईचारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल 'मैं' ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं 'हम' सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे। प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के पश्चात कयिा जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है। अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव-जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें। सर जगदीश चंद्र बसु ने एक परीक्षण किया और इस परीक्षण के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पेड़-पौधों में भी वैसी ही संवेदना होती है जैसी मनुष्यों में होती है। जिस प्रकार मनुष्य रोता-हंसता, प्रसन्न और नाराज होता है, इसी प्रकार की संवेदनाएं पेड़-पौधों में भी पाई जाती है। सर जगदीश चंद्र बसु ने वैज्ञानिक तरीके से जब यह सिद्ध किया तो दुनिया में तहलका मच गया। जबकि भारतीय शास्त्रों में इन बातों का वर्णन सदियों पूर्व ही मिलता है। जब इन तथ्यों को वैज्ञानिक आधार दिया गया तो अब पूरी दुनिया भारत के इन प्राचीन विचारों के साथ खड़ी नजर आती है। भारतीय मनीषियों ने इसीलिए यह बार-बार कहा है कि पेड़-पौधों की रक्षा करें, इन्हें काटें नहीं। क्योंकि, इससे पर्यावरण की रक्षा तो होती ही है, पेड़-पौधों के रूप में एक प्रकार से किसी प्राणी की हत्या करने से भी बचा जा सकता है। भारतीय संस्कृति में यह भावना रही है कि व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास हो एवं उसे पूर्ण सुख की प्राप्ति हो। इसलिए, उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ही देश में सामाजिक एवं आर्थिक रचना होनी चाहिए। प्राचीन भारत में इसी नाते व्यक्ति को मान्यता देने के साथ-साथ परिवार को भी मान्यता दी गई है। परिवार को समाज में न्यूनतम इकाई माना गया है। व्यक्तियों से परिवार, परिवारों से समाज, समाज से देश और देशों से विश्व बनता है। अतः कुटुंब को भारतीय समाज में अत्यधिक महत्व दिया गया है। भारतीय शास्त्रों में कुल मिलाकर यह वर्णन मिलता है कि प्राचीन भारत के लगभग प्रत्येक परिवार में गाय के रूप में पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध रहता था जिससे प्रत्येक परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से हो जाती थी। गाय के गोबर एवं गौमूत्र से देसी खाद का निर्माण किया जाता था, जिसे कृषि कार्यों में उपयोग किया जाता था एवं गाय के दूध को घर में उपयोग करने के बाद इससे दही, घी एवं मक्खन आदि पदार्थों का निर्माण कर इसे बाजार में बेच भी दिया जाता था। इसी प्रकार गौमूत्र से कुछ आयुर्वेदिक दवाइयों का निर्माण भी किया जाता था। अतः कुल मिलाकर परिवार एवं समाज में किसी भी प्रकार की गतिविधि सम्पन्न करने के लिए अर्थ की आवश्यकता महसूस होती है। अर्थ के विभिन्न आयामों को समझने के लिए भारत के प्राचीन काल में अर्थशास्त्र की रचना की गई थी। आचार्य चाणक्य को भारत में अर्थशास्त्र का जनक कहा जाता है। अर्थशास्त्र को परिभाषित करते हुए कहा जाता है कि नागरिकों को संतुष्टि प्रदान करने (वस्तुओं एवं सेवाओं का भारी मात्रा में उत्पादन कर उसकी आसान उपलब्धता कराना) के उद्देश्य से उत्पादन के साधनों (भूमि, श्रम, पूंजी, आदि) का दक्षतापूर्ण वितरण करना ही अर्थशास्त्र है।

यहूदी विरोधी हमला भयानक, वीभत्स राक्षस बना मानव

बलबीर पुंज

सोशल मीडिया के वीडियो में दिखा है कि लोग यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोडफ़ोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी यहूदियों पर हमले को शर्मनाक और घृणित बताया है। यूरोप में यहूदी-विरोधी हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। अकेले नीदरलैंड में वर्ष 2022-23 के बीच यहूदियों पर हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हमास के हमले के बाद ब्रिटेन में 550 यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज हुई है। फ्रांस भी इससे अछूता नहीं है। क्या इस बवाल की जड़ें केवल 7 अक्टूबर 2023 को फिलीस्तीन समर्थक हमास जिहादियों द्वारा इजराइल पर घातक आतंकवादी हमले के बाद इजराइल की अबतक जारी जवाबी सैन्य कार्रवाई (बहुपक्षीय), जिसमें 40 हजार से अधिक लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है— उसमें ही मिलती है? सच तो यह है कि यहूदियों को हालिया कारणों से ही नहीं, बल्कि मजहबी कारणों से भी उन्हें सतत उत्पीडऩ का सामना करना पड़ रहा है। विश्व विख्यात इनसाइक्लोपीडिया 'ब्रिटानिकाÓ में अनुसार, पहली शताब्दी में ईसाइयत के विस्तार के बावजूद अधिकांश यहूदी उसे मजहब के रूप में अस्वीकार करते रहे। इसके परिणामस्वरूप, चौथी शताब्दी तक ईसाइयों ने ईसा मसीह और चर्च को अस्वीकार करने के कारण यहूदियों को अलग समुदाय मानना शुरू कर दिया। जब ईसाई चर्च रोमन साम्राज्य में प्रभावशाली हुआ, तब उसने रोमन सम्राटों को यहूदी विरोधी कानून बनाने के लिए प्रेरित किया। इनका उद्देश्य ईसाई प्रभुत्व को चुनौती देने वाले किसी भी खतरे को समाप्त करना था। इस कारण यहूदी यूरोपीय समाज में हाशिये पर धकेल दिए गए। इस चिंतन का भयावह रूप मध्यकाल में भी दिखा। वर्ष 1466 में तत्कालीन पोप पॉल-2 के निर्देश पर क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को सरेआम निवस्त्र करके घुमाया गया था। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बी) को जोकर के कपड़े पहनाकर उनका जुलूस निकाले जाने लगा। 25 दिसंबर 1881 को पोलैंड के वारसॉ में 12 यहूदियों को उन्मादी ईसाइयों ने निर्ममता के साथ मौत के घाट उतार दिया, तो कई महिलाओं का बलात्कार तक किया गया। इस प्रकार की प्रताडऩा के असंख्य उदाहरण है। यहूदी-विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में यहूदियों के लिए असुरक्षा, उत्पीडऩ और हिंसा का माहौल बनाया, जो चर्च के समर्थन से यूरोपीय समाज और संस्कृति में गहराई तक समा गई, जिसने आगे चलकर 20वीं शताब्दी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर जनित 'होलोकॉस्टÓ का रूप लिया। हिटलर की अगुवाई में ईसाई बहुल जर्मनी ने 1933-1945 के बीच यहूदियों पर भयंकर अत्याचार हुआ था। इसे प्रारंभ में चर्च का मुखर समर्थन प्राप्त था। एक आंकड़े के अनुसार, तब लगभग 60 लाख यहूदियों (15 लाख बच्चे सहित) की हत्या कर दी गई थी। यहूदियों को जड़ से मिटाने के अपने मकसद को हिटलर ने इतने प्रभावी ढंग से अंजाम दिया कि दुनिया की एक तिहाई यहूदी आबादी खत्म हो गई। चूंकि हिटलर का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था, तो क्या उसे नरपिशाची रूप से यहूदियों के नरसंहार की प्रेरणा सदियों तक चले यहूदी-विरोधी अभियानों से मिली थी? बात यदि भारतीय उपमहाद्वीप की करें, तो वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर कालांतर में गजनी, गौरी, खिलजी, तैमूर, तुगलक, बाबर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत-विक्षत किया और ऐसा उनके मानसपुत्रों द्वारा आज भी हो रहा है। इन्हीं जिहादियों से प्रेरणा से भारत के एक तिहाई क्षेत्र पर इस्लाम का कब्जा (पाकिस्तान-बांग्लादेश) है, जहां इस्लाम-पूर्व संस्कृति के ध्वजावाहकों (हिंदू, सिख और बौद्ध) के लिए कोई स्थान नहीं है। यही नहीं, जब उत्तर-भारत में इस्लामी प्रचार-प्रसार के नाम पर मजहबी शासकों का आतंकवाद चरम पर था, तब 16वीं शताब्दी में दक्षिण-भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर ईसाइयत के प्रचार के लिए भारत पहुंचे थे। उस समय जेवियर ने 'गोवा इंक्विजीशनÓ के जरिये से गैर-ईसाइयों के साथ उन सीरियाई और मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ भी हिंसक मजहबी अभियान चलाया था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का अनुसरण नहीं कर रहे थे। मजहबी मतांतरण का यह कुचक्र अब भी जारी है। क्या कारण है कि स्वघोषित सभ्य-सुसंस्कृत लोग बड़ी बेशर्मी के साथ घृणा के नायकों को गौरवान्वित करते है? यह उपयुक्त ही है कि कोई भी हिटलर का नाम नहीं रखता और उसे गाली का पर्याय माना जाता है। लेकिन क्या स्टालिन-लेनिन जैसे नामों के प्रति भी वैसा तिरस्कार का भाव नहीं होना चाहिए, जिन्होंने अपने शासन के दौरान लाखों मासूमों को उनसे असहमति रखने के कारण मौत के घाट उतार दिया था? देश में एक प्रसिद्ध फिल्मी घराने ने अपने बेटे का नाम तैमूर रखा है।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप किसी की मदद करेंगे जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आप काम में अपने किसी मित्र का सहारा ले सकते हैं। ऑफिस के काम में आज आपके सामने कई चुनौतियां भी आएगी। धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के आसार खुलेंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके विरोधी भी आपके काम की सराहना करेंगे। धार्मिक कामों में आपका मन लगेगा। आज आपके कॉन्फिडेंस से कोई काम बन जायेगा। आज मार्किट से कोई मनपसंद वस्तु खरीदने का मन बना सकते हैं। नयी कार्य योजनाओं को स्टार्ट करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपके सामने लाभ के कुछ नए अवसर आयेंगे, जिन्हें आपको चूकना नहीं है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आज आपके कठिन परिश्रम का लाभ मिलने से मन में खुशी का भाव बना रहेगा। आज समाज में आपके अच्छे काम से आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके घर में कोई मेहमान आ सकता है, जिससे घर में खुशियां ही खुशियां होंगी। समाज के लोग आपके अच्छे व्यवहार से खुश होंगे, तारीफ मिलेगी। आज काम अधिक होने के कारण मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, आपका पेशेंस आपको सफलता दिलाएगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका काम देखकर जूनियर आपसे बहुत कुछ सीखेंगे। आज बिजनेस में वर्तमान व्यवस्था को उचित बनाए रखने में आपका समय बीतेगा। आपको इसका सकारात्मक परिणाम भी हासिल होगा। इसलिए अभी किसी नए काम को शुरू ना करें। अगर बहुत दिनों से किसी से मिलने की सोच रहे है तो आज का दिन बेहतर है।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज छात्रों का मन पढ़ाई में लगा रहेगा। आप जिस काम में काफी दिनों से व्यस्त थे वो काम आज पूरा हो जायेगा, आप काम करने के नए टारगेट बनायेंगे। आज आपका मन इश्वर की आराधना में लगेगा आप किसी मंदिर जाकर पूजा अर्चना करेंगे।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज माता-पिता के साथ किसी रिश्तेदार के घर जायेंगे जहाँ आपको काफी अच्छा लगेगा। आपका अच्छा स्वभाव लोगों का प्रिय बनायेगा। आपकी सुख-सुविधाएं बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। आज ऑफिस में किसी से आपकी बहस हो सकती है। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं। आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। शारीरिक रूप से आपको थोड़ी थकावट महसूस हो सकती है, आपके काम की गति कुछ रुक सकती है।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपका कोई रुका काम पूरा हो जायेगा। आज सोसाइटी से संबंधित किसी विवाद में आपका प्रस्ताव निर्णायक साबित होगा। आज स्टूडेंट्स का कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा, किसी नए टॉपिक की शुरुआत होगी। आज आपके घर में कोई मंगल कार्यक्रम हो सकता है, आपका दिन व्यस्तता और भाग-दौड़ में बीतेगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप जो भी चाहेंगे वो सारे काम आपके मन-मुताबिक पूरे होंगे। नौकरी करने वाले लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कोई भी बड़ा कार्य करने से पहले अपने बड़ों की राय लेना न भूलें, इससे आपको आगे बढ़ने में आसानी होगी। इस राशि के लोग आज किसी बड़ी योजना को शुरू कर सकते है, जिसका फायदा उन्हें आगे चलकर जरूर मिलेगा। आज किसी करीबी रिश्तेदार से अचानक मुलाकात हो सकती है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज परिवारजन आपसी सामंजस्य द्वारा घर की किसी समस्या का हल निकालने में सक्षम रहेंगे, परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे, जहाँ आपको काफी शांति महसूस होगी। विद्यार्थी आज काम और पढाई में बैलेंस बनाकर चलेंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। ट्रांसपोर्ट के व्यापारी आज किसी बुकिंग से अच्छा लाभ कमाएंगे। आज आपके माता-पिता की नाराजगी आपसे खत्म होगी। आपके आसपास कोई धार्मिक कार्यक्रम होगा जिसमें आपका परिवार शामिल होगा। डाइबिटीज की समस्या से आज कुछ हद तक आराम मिलेगा।

शब्द पहेली - 8327

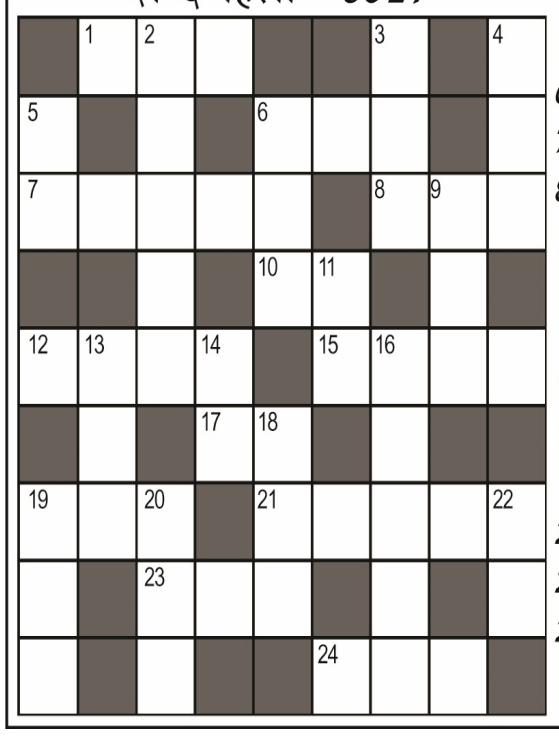

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8326 का हल

■	भ	क्त	■	सा	र	सं	भा	ल
का	या	■	व	ज	ह	■	त	प
ग	न	र	■	न	न	द	■	ल
■	क	स	म	■	स	■	पा	पा
ह	■	म	न	मो	ह	क	■	ना
म	स्त	■	भा	■	न	म	क	■
स	■	क	व	च	■	र	म	ल
फ	ना	■	न	र	म	■	त	ब
र	म	ण	■	म	■	शो	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एडीलेड में पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी टीम इंडिया

मुम्बई। भारतीय टीम 6 दिसंबर से एडीलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। गुलाबी गेंद से खेले जाने वाला यह मैच दिन-रात वाला होगा। भारतीय टीम ने अब तक गुलाबी गेंद से चार टेस्ट खेले हैं जिसमें से उसे 3 में जीत मिली है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को जिस एक दिन-रात वाले टेस्ट में हार मिली है वो ऑस्ट्रेलिया में ही एडिलेड में खेला गया था। वहीं इस बार भी दूसरा टेस्ट इसी स्थल पर खेला जाएगा। ऐसे में इस बार भारतीय टीम इस बार उस हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय टीम ने अपना पहला दिन-रात टेस्ट मैच साल 2019 में खेला था। कोलकाता के ईडन गार्डस स्टेडियम में खेले गए इस दिन-रात के टेस्ट में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को एक पारी और 46 रन से हराया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम के अुनभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जबकि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कुल 9 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम ने अपना दूसरा दिन-रात का टेस्ट साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। एडिलेड में 17 दिसंबर से खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2021 में टीम इंडिया ने अपना तीसरा दिन-रात का टेस्ट खेला। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं भारतीय टीम ने अपना चौथा डे नाइट टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में खेला था। बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल गए इस टेस्ट में भारत ने 238 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी।

आईपीएल में नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी ये टीमें

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में इस बार कई टीमों के कप्तान भी उतरे थे जिन्हें उनकी टीमों ने रिटेन नहीं किया था। इन कप्तानों को दूसरी टीमों ने मोटी रकम देकर खरीद लिया था। ऐसे में इस बार करीब पांच 5 टीमों के नए कप्तान होंगे जिसमें दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, जैसी टीमें शामिल हैं।

ऋषभ पंत- आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कप्तान ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 27 करोड़ रुपए की मोटी रकम खर्च कर अपनी टीम में शामिल किया, वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें ही अब सुपर जाएंट्स की कप्तानी मिलने की संभावना है।

श्रेयस अय्यर- कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को 2024 में खिताब जिताने वाले श्रेयस को टीम ने रिटेन नहीं किया है। उन्हें 26.75 करोड़ में पंजाब किंग्स ने खरीदा है और उम्मीद है माना जा रहा है कि उन्हें इतनी बड़ी रकम देकर कप्तान बनाने के लिए ही खरीदा गया है।

केएल राहुल- दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के पूर्व कप्तान केएल राहुल को मेगा नीलामी में 14 करोड़ रुपए में खरीदा है, ऋषभ के जाने के बाद उनका टीम का नया कप्तान बनना तय है।

वेंकटेश अय्यर- वेंकटेश अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मेगा ऑक्शन में 23.75 करोड़ रुपए की मोटी रकम खर्च कर स्क्वॉड में शामिल किया है। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्हें कप्तानी मिल सकती है।

विराट कोहली- विराट कोहली को एक बार फिर से आरसीबी की कप्तानी संभालते हुए नजर आ सकते हैं क्योंकि अब पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी टीम में नहीं हैं। विराट ने पहले भी टीम की कप्तानी संभाली है। जिससे अनुभव के मामले में वह सबसे आगे हैं।

विराट का दिन रात के मैचों में 46.16 रहा है बल्लेबाजी औसत

एडीलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडीलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला ये मैच दिन-रात का होगा। इस मैच से पहले ही विराट के शानदार शतक से साफ है कि वह फार्म में आ गये हैं। विराट कोहली ने एडिलेड में गुलाबी गेंद से पहले भी एक टेस्ट मैच खेले था जिसमें उन्होंने पहली पारी में 74 रन बनाए हैं जबकि दूसरी पारी में 4 रन बनाए। दिन-रात के चार टेस्ट मैचों में कोहली के नाम कुल 277 रन हैं जिसमें उनकी बल्लेबाजी औसत 46.16 रहा है। विराट ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में खेले गए दिन-रात के टेस्ट मैच में 136 रन की पारी खेली थी। यह गुलाबी गेंद से हुआ टेस्ट मैच कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला गया था।

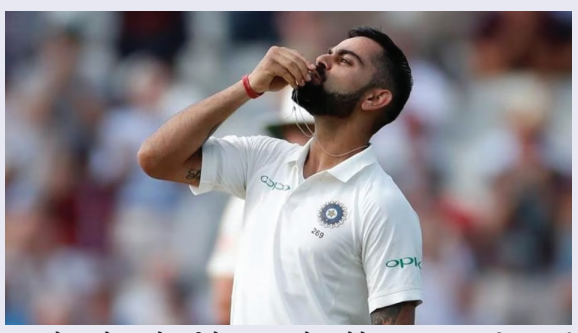

भारत ने इस टेस्ट को पारी के अंतर से जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच में कोहली ने 27 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उनकी बल्लेबाजी नहीं आयी।

वहीं बैंगलोर में श्रीलंका के खिलाफ खेले दिन-रात के टेस्ट मैच में विराट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 13 रन बनाए। विराट पर्थ वाली लय को एडिलेड में भी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया जबकि अंतरराष्ट्रीय करियर का ये 81 वां शतक था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल 26 टेस्ट मैच खेल हैं जहां उन्होंने 2147 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें 9 टेस्ट शतक भी लगाये हैं।

अंतरराष्ट्रीय करियर को लंबा खींचने आईपीएल नीलामी से दूर रहा : स्टोक्स

क्राइस्टचर्च। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में भाग नहीं लेने के कारणों को बताया है। स्टोक्स के अनुसार उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को लंबा खींचने और एशेज की तैयारियों को देखते हुए ही आईपीएल से बाहर रहने पर ध्यान दिया। स्टोक्स भविष्य में आईपीएल की मिनी नीलामी में भी भाग नहीं ले पाएंगे क्योंकि इस लीग के नए नियमों के अनुसार जो खिलाड़ी मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण नहीं करता है। वह खिलाड़ी मिनी नीलामी में भी भाग नहीं ले सकता है।

स्टोक्स ने कहा, 'मैं अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हूं। यह इस पर विचार करने का समय है कि मैंने क्या हासिल किया और मुझे ऐसा क्या करना चाहिए जिससे मैं अपने करियर को यथासंभव लंबे समय तक लम्बा खींच सकूं। उन्होंने कहा, 'अभी बहुत क्रिकेट बची है। मैं जब तक संभव हो मैं इंग्लैंड की ओर से ही खेलना चाहता हूं। स्टोक्स ने पूर्व में चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स सहित कई टीमों से खेला है।

40 से अधिक शतक लगाएंगे यशस्वी : मैक्सवेल

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपने टेस्ट करियर में 40 से अधिक शतक लगाने के साथ ही कई रिकॉर्ड बनाएंगे। मैक्सवेल के अनुसार हालातों के अनसार ढ़लने और बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं होने का लाभ यशस्वी को मिलेगा। यशस्वी ने इस साल के शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह पक्की की थी।

मैक्सवेल ने कहा, ' जायसवाल एक ऐसा खिलाड़ी है जो संभवतः 40 से अधिक टेस्ट शतक लगाएगा और कुछ अलग रिकॉर्ड भी बनाएगा। उसके पास अलग-अलग हालातों से तालमेल बिठाने की जबरदस्त क्षमता है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस युवा बल्लेबाज ने अभी तक 15 टेस्ट मैच में 58.07 की शानदार औसत से 1568 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक शामिल हैं।

पर्थ में पहली पारी में वह खाता नहीं खोल पाए थे पर दूसरी पारी में उन्होंने दबाव में आये बिना शानदार वापसी की जिससे उनके बल्लेबाजी कौशल का पता चलता है। मैक्सवेल ने कहा, 'उसने कई तरह के शॉट खेले पर बीच में उसने जिस तरह से गेंदें छोड़ी और जिस तरह से वह बैक फुट पर जाकर खेला वह महत्वपूर्ण था। उसका फुटवर्क बहुत अच्छा है। उसमें कोई खास कमजोरी है। वह शॉर्ट पिच गेंद को अच्छी तरह से खेलता है, अच्छी ड्राइव करता है, स्पिन को अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से खेलता है और दबाव झेल सकता है। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई टीम अगर उसे रोकने का कोई तरीका नहीं तलाश पायी तो उसकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। मैक्सवेल ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की और कहा कि यशस्वी और बुमराह के रुप में भारतीय टीम को दो बेहतरीन प्रतिभाएं मिली हैं।

व्यापार

शेयर बाजार की तेजी के साथ शुरुआत

सेंसेक्स में 400 अंक से ज्यादा की तेजी, निफ्टी भी 100 अंक चढ़ा

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स में 400 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 79,440 के स्तर पर कारोबार देखा जा रहा है। निफ्टी में 100 अंक की तेजी है, ये 24,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में तेजी और 12 में तेजी है। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स में रियल्टी सेक्टर को छोड़कर सभी में तेजी देखने को मिल रही है। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 1190 अंक की गिरावट के साथ 79,043 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 360 अंक की गिरावट रही, ये 23,914 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं बीएसई स्मॉलकैप 221 अंक चढ़कर 54,782 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स

के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट और केवल 1 में तेजी थी। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में गिरावट और 4 में तेजी थी। एनएसई का आईटी सेक्टर सबसे ज्यादा 2.39 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ था। वहीं एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.41 फीसदी और कोरिया के कोस्पी में 1.78 फीसदी गिरावट है। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.90 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।

सोना और चांदी के भाव में तेजी

सोना फिर 76 हजार पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को तेजी देखी जा रही है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 76,250 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 610 रुपये की तेजी के साथ 76,334 रुपये के भाव पर खुला। सोने के वायदा भाव ने इस साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 697 रुपये की तेजी के साथ 88,699 रुपये पर खुला। इस समय यह 988 रुपये

की तेजी के साथ 88,990 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,636.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,639.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 18.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,658.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.13 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.11 डॉलर था। इस समय यह 0.55 डॉलर की तेजी के साथ 30.66 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वित्त मंत्री सीतारमण ने पटना में पूर्वी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की समीक्षा की

पटना/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को बिहार की राजधानी पटना के होटल ताज में पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की समीक्षा की। वह इस समय बिहार के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। सीतारमण के पटना और दरभंगा में कई कार्यक्रम हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अध्यक्ष और डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पटना में बिहार के उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के साथ कई मुद्दों पर बातचीत की।

रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 84.49 डॉलर

रुपया गुरुवार को सात पैसे की गिरावट के साथ 84.47 पर बंद हुआ था

मुंबई। विदेशी पूंजी की भारी निकासी और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे की गिरावट के साथ 84.49 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों और विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की मांग के कारण रुपया कमजोर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.49 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को सात पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी

डॉलर के मुकाबले 84.47 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.85 पर रहा।

बीएमडब्ल्यू मोटरराड कीमतों में 2.5 फीसदी तक करेगी इजाफा, नई दरें जनवरी से लागू

नई दिल्ली। जर्मनी की कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू की दोपहिया इकाई बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने अपने सभी वाहनों की कीमतों में 2.5 फीसदी तक इजाफा करने का ऐलान किया है। नई दरें एक जनवरी, 2025 से लागू होंगी। कंपनी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने अपने सभी वाहनों की कीमतों में एक जनवरी, 2025 से 2.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने कहा कि समग्र कच्चे माल की लागत में वृद्धि और महंगाई के दबाव की वजह से मूल्य में बढ़ोतरी का फैसला किया गया है। इससे पहले बीएमडब्ल्यू इंडिया ने जनवरी से अपनी सभी कारों की कीमतों में तीन फीसदी तक की इजाफा करने की घोषणा पहले कर चुकी है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया

ने भी नए साल से भारत में अपने वाहनों की कीमतों में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने आधिकारिक तौर पर अप्रैल, 2017 में बीएमडब्ल्यू समूह की भारतीय अनुषंगी के तौर पर अपना परिचालन शुरू किया था। यह ब्रांड देश में प्रीमियम मोटरसाइकिल और स्कूटर की श्रृंखला बेचता है।

बैग में अटपटी चीजें रखती हैं अनुष्का शर्मा, बोलीं- सामान हल्का न हो तो अच्छा

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर प्रशंसकों को अपने बैग के अंदर क्या-क्या है, इसकी झलक दिखाई है। 'बैंड बाजा और बारात अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, हल्का सामान मत पैक करो। उन्होंने जंगलीपन को सामने लाएं हैशटैग का इस्तेमाल किया। क्लिप की शुरुआत में पीके अभिनेत्री से एक शख्स पूछता है, अनुष्का तुम्हारे बैग में क्या है? इस पर अभिनेत्री ब्लैक फेस मास्क, एक ब्लूप्रिंट के साथ कई मूछें निकालती हैं। अनुष्का शर्मा के बैग में ये चीजें देखकर उनके प्रशंसक हैरत में पड़ गए। एक फैन ने लिखा, वाह, यह क्या है?, एक अन्य ने लिखा बहुत खूब। तीसरे फैन ने लिखा आप बहुत भाग्यशाली हो। वीडियो में सुल्तान अभिनेत्री आरामदायक येलो कलर पैंट और ब्ल्यू कलर स्नीकर्स के साथ ढीली नीली और सफेद चेकर्ड टी-शर्ट में बेहद कूल नजर आ रही हैं। अनुष्का शर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो शाहरुख खान और कैटरीना कैफ के साथ फिल्म 'जीरो में नजर आई थीं। साल 2018 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। 'जीरो अनुष्का शर्मा के साथ अभय देओल, आर. माधवन और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम रोल में थे। फिल्म में शर्मा सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित एक वैज्ञानिक की भूमिका में नजर आई थीं। अनुष्का की झोली में बायोपिक चकदा एक्सप्रेस है। बायोपिक में अभिनेत्री भारतीय क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की भूमिका निभा रही हैं। प्रोसित रॉय के निर्देशन में तैयार स्पोर्ट्स ड्रामा का टीजर जनवरी 2022 में सामने आया था। अनुष्का ने अपने आधिकारिक एक्स पर टीजर शेयर कर लिखा, यह वास्तव में एक खास फिल्म है क्योंकि यह एक जबरदस्त कहानी है।

दुलकर सलमान की लकी भास्कर 28 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम, पांच भाषाओं में होगी उपलब्ध

मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार दुलकर सलमान की पिछली रिलीज फिल्म लकी भास्कर काफी सफल रही थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों का भरपूर प्यार कमाया था। अब इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे फैंस के लिए नई खुशखबरी सामने आई है। फिल्म अब जल्द ही दिग्गज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं और ये फिल्म अब 28 नवंबर से इस पर स्ट्रीम होगी। आज नेटफ्लिक्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट साझा कर जानकारी दी है कि फिल्म तेलुगु, मलयालम, तमिल, कन्नड़ और हिंदी में भी इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। फिल्म के सिनेमाघर और ओटीटी रिलीज के बीच महज एक महीने का अंतर है। ऐसे में अब ये देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म को ओटीटी पर दर्शकों से कैसी प्रतिक्रिया मिलती है। फिल्म में दुलकर सलमान, भास्कर नाम के व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं, जो एक बैंकर है। शुरू में भास्कर को दैनिक जीवन की नीरस दिनचर्या जीते हुए दिखाया जाता है, लेकिन अचानाकर से उसकी जिंदगी में सब कुछ बदल जाता है। 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में बनी यह फिल्म एक साधारण बैंक कैशियर, लकी भास्कर की दिलचस्प, अशांत और असाधारण जीवन के सफर को दर्शाती है। वेंकी एटलुरी द्वारा निर्देशित ये फिल्म कई भाषाओं में रिलीज हुई थी। फिल्म में दुलकर सलमान के अलावा मीनाक्षी चौधरी भी मुख्य भूमिका में नजर आई हैं। इनके अलावा फिल्म में साई कुमार, मानसा चौधरी, रामकी, हाइपर आधी, सूर्या श्रीनिवास आदि कलाकार भी शामिल हैं। नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित, लकी भास्कर का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। ये फिल्म इस साल 31 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

कार्तिक आर्यन की फिल्म वर्ल्डवाइड 400 करोड़ी क्लब में शामिल

कमाई में फिर पीछे छूटी सिंघम अगेन

भूल भूलैया 3 और सिंघम अगेन को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 25 दिन हो चुके हैं. सिनेमाघरों में रूह बाबा का क्रेज अभी भी बरकरार है. कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी ने दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं सिंघम अगेन सिनेमाघरों से उतरते नजर आ रही हैं. अजय देवगन की फिल्म चौथे सोमवार को सबसे कम कमाई की है. 1 नवंबर को दिवाली पर रिलीज हुई भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार दमदार प्रदर्शन किया है. पहले हफ्ता सिंघम अगेन के नाम रहा है. लेकिन बाद में कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी ने अपनी रफ्तार पकड़ी और रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स को पछाड़ने में सफल रही. अनीस बज्मी की निर्देशित हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 3 के लिए चौथा वीकेंड शानदार रहा है. भूल भुलैया 3 ने चौथे वीकेंड में दुनियाभर में 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. इस खास पल कार्तिक आर्यन ने अपने फैंस संग साझा किया है. रूह बाबा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर भूल भुलैया 3 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में अपडेट शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, सब कुछ संभव है अगर दर्शक आपके साथ खड़े हों और आपकी कहानी पर विश्वास करें. थैंक्यू. 400 करोड़ पार. भूल भूलैया 3 की इस सफलता पर सेलेब्स और फैंस उन्हें बधाइयां दे रहे हैं. भूमि पेडनेकर ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में राइडिंग हैंड इमोजी छोड़े हैं. एक फैन ने कमेंट किया है, भूल भुलैया 3 हर किसी के दिल पर राज कर रही है. एक यूजर ने लिखा है, दिल से बधाई हो रूह बाबा जी. भूल भूलैया 3 के भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में बात करें तो भूल भूलैया 3 ने चौथे सोमवार यानी 25वें दिन 1.05 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. 25 दिनों के बाद कार्तिक आर्यन की फिल्म ने 267.95 करोड़ रुपये का कमाए हैं. वहीं, दुनियाभर में भूल भुलैया 3 ने 408.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. सिंघम अगेन का क्रेज अब खत्म होता दिख रहा है. रोहित शेट्टी और अजय देवगन की जोड़ी ने 25वें दिन बॉक्स ऑफिस पर अबतक की सबसे कम कमाई की है. चौथे सोमवार को रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स ने मात्र 60 लाख रुपये कमाए हैं. इससे पहले फिल्म ने चौथे शुक्रवार को लाख में कमाई की थी. 22वें दिन सिंघम अगेन ने 80 लाख रुपये कमाए. लेकिन, 23वें और 24वें दिन इसके कलेक्शन में उछाल देखा. चौथे शनिवार और रविवार को अजय देवगन स्टारर ने क्रमश: 1.5 करोड़ रुपये और 1.9 करोड़ रुपये कमाए. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के 25वें दिन यानी चौथे सोमवार को 55 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 240.85 करोड़ रुपये हो गया है।

इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहन निक्की तंबोली ने शेयर किया ग्लैम लुक, एक्ट्रेस ने कैमरे में सामने जमकर दिए पोज

बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट निक्की तंबोली आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के कारण सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेश अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा हाई करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइल स्टेटमेंट देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है। निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान येलो कलर की इंडो-वेस्टर्न लुक में आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। साथ ही उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं निक्की तंबोली बलखाती हुई कमर कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करती हुई फोटोज क्लिक करवा रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज को पोस्ट हुए भी अभी कुछ ही घंटे हुए हैं और एक लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने तस्वीरों पर लाइक्स कर दिए हैं।

द-बंग द टूर: रिलॉडेड से धमाल मचाने को तैयार सलमान खान, वीडियो शेयर कर कहा- तैयार हो जाओ

सलमान खान अपने एंटरटेनिंग द-बंग द टूर: रिलॉडेड से एक बार फिर धमाका करने जा रहे हैं. सलमान खान ने हाल ही में अपने द-बंग द टूर: रिलॉडेड का एलान किया था और अब इसका एक प्रोमो सामने आया है. सलमान खान ने आज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर द-बंग द टूर: रिलॉडेड का एक वीडियो शेयर किया है. द-बंग द टूर: रिलॉडेड दुबई के हार्बर मरीना में होगा. सलमान खान ने अपने इस टूर की एक झलक भी शेयर की है. सलमा खान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, दुबई तैयार हो जाओ द-बंग द टूर: रिलॉडेड 7 दिसंबर से आपके पास आ रहा है. बता दें, सलमान खान के साथ इस बार सोनाक्षी सिन्हा, तमन्ना भाटिया, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिज, प्रभु देवा, मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, जॉर्डी पटेल और सिंगर आस्था गिल भी नजर आएंगी. वहीं, सलमान खान ने द-बंग द टूर: रिलॉडेड का जो प्रोमो शेयर किया है, उसमें सलमान खान ने बिग बॉस 18 के स्टेज पर दिख रहे हैं. साथ ही सलमान खान अपने द-बंग द टूर: रिलॉडेड के बारे में जानकारी दे रहे हैं. साथ ही सलमान खान ने बताया है कि उनके द-बंग द टूर: रिलॉडेड की टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है. बता दें, सलमान खान ने बिश्नोई गैंग से लगातार मिल रही धमकी के बीच अपने द-बंग द टूर: रिलॉडेड का एलान किया था और तब से फैंस को उनकी तारीख का इंतजार था. वहीं, सलमान खान के कड़ी सिक्योरिटी के बीच हैं और वो इन दिनों सुरक्षा के घेरे में बिग बॉस 18 को होस्ट कर रहे हैं. इसके साथ ही सलमान खान ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर से भी चर्चा में हैं और सिकंदर की शूटिंग सेट पर भी सलमान खान को टाइट सिक्योरिटी में रखा गया है. सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद 2025 के मौके पर रिलीज होने जा रही है.

MGCU Hosts High-Level Meeting Preparations for Second Convocation

BNM@MOTIHARI

A high-level meeting was convened today at 12:00 PM at the Mahatma Gandhi Auditorium to discuss and finalize preparations for the upcoming Second Convocation of Mahatma Gandhi Central University (MGCU). The meeting was chaired by the Hon'ble Vice-Chancellor of MGCU, Prof. Sanjay Srivastava, and was attended by District Magistrate (DM) of Motihari, Mr. Saurabh Jorwal, along with the Sub-Divisional Magistrate (SDM), Additional District Magistrate (ADM), university committee coordinators, and members. The much-anticipated Second Convocation of MGCU is scheduled to take place on 7 December 2024, with Hon'ble Vice President of India, Shri Jagdeep Dhankhar, gracing the occasion as the Chief Guest. The meeting commenced with a welcome address by Prof. Prasoon Dutt Singh, who extended gratitude to the district administration for their unwavering support in facilitating university events. He appreciated their contributions and highlighted the collaborative efforts that have played a key role in MGCU's growth. Prof. Singh also briefed the gathering about the protocols and arrangements for the convocation. During the meeting, the District Magistrate elaborated on the administrative protocols to be followed during the arrival, stay, and departure of the Hon'ble Vice President. He emphasized seamless coordination between the university and district authorities to ensure the smooth execution of the event. He also shared detailed plans for logistics, security, and other critical arrangements, urging all stakeholders to work collectively for the success of the convocation. In his address, Prof. Sanjay Srivastava, Vice-Chancellor of MGCU, remarked, "Hosting the Hon'ble Vice President of India as the Chief Guest for our Second Convocation is a matter of immense pride for all of us. Such occasions infuse us with renewed energy, which we channel into the institutional growth and development of MGCU. Our collective, integrated, and coordinated efforts will ensure that this event becomes a landmark in the history of the university." The meeting witnessed active participation from senior faculty members, including Prof. Shahana Majumdar, Prof. Vikas Pareek, Prof. Anand Prakash, Prof. Sunil Kumar Srivastava, Prof. Sunil Mahawar, Prof. Shirish Mishra, Prof. Ajay Kumar Gupta, and Dr. Shyam Nandan, among others. Detailed discussions were held on devising concrete strategies to make the convocation a grand and memorable affair through the collaborative efforts of MGCU and the district administration. With meticulous planning and enthusiastic participation, the Second Convocation of MGCU is poised to be a historic event, reflecting the university's commitment to academic excellence and its journey toward greater milestones.

Rajya Sabha Adjourned Again: Arrest of ISKCON priest, demand for discussion on Sambhal

New Delhi: There was uproar in the Rajya Sabha on Friday as well. Opposition MPs demanded a discussion on the law and order situation in Manipur. Many MPs wanted to discuss the riots in Sambhal and the law and order situation that arose after it. There was also a demand in the Rajya Sabha to discuss the atrocities being committed on Hindus in Bangladesh. Opposition MPs wanted this debate to be held under Rule 267, but the Chairman did not give permission for it. After this, there was a lot of uproar in the House and the proceedings were adjourned till Monday. It is worth noting that the winter session of the Parliament started on Monday. A special program was organized on Tuesday on the occasion of Constitution Day. Apart from that program, the proceedings of the House have not been able to run smoothly even for a single day in the last four days. On Friday, 17 opposition members had given notice for discussion. Chairman Jagdeep Dhankhar informed in this regard that he has been given 17 notices for discussion under Rule 267. MPs like Ramjilal Suman, Dr. John Bitas, AA Rahim and B Shivadasan wanted a discussion in the Rajya Sabha on the violence in Sambhal and the law and order situation. At the same time, opposition MPs like Tiruchi Shiva, Santosh Kumar P etc. were demanding a discussion on the law and order situation in Manipur. An MP from the Aam Aadmi Party placed a demand for a discussion on the increasing crime in Delhi before the Chairman. Aam Aadmi Party MP Raghav Chadha demanded a discussion on the atrocities being committed on Hindus in Bangladesh and the arrest of the priest of the ISKCON temple in Bangladesh. Opposition MPs wanted this discussion to be held under Rule 267. When there is a discussion under Rule 267, all other proceedings of the House are adjourned. Along with this, there is also a provision for voting after the discussion in this rule. However, the Speaker did not give permission for this. Angered by this, the opposition MPs started creating a ruckus in the House. Opposition MPs stood up at their places demanding a discussion and started repeating their demand. During this, many MPs raised slogans. Seeing the ruckus and sloganeering in the House, the Speaker adjourned the proceedings of the House till Monday. Earlier, the Chairman said that these issues were raised repeatedly this week. As a result, three working days were wasted. The Chairman said that we should discharge our duties as per expectations. The Chairman said that Rule 267 is being used as a weapon to disrupt the proceedings of the House.

TODAY'S BRIEF

Congress raised questions on EVM, information with facts surfaced on social media

New Delhi: After the defeat of Congress in the Maharashtra assembly elections, raising questions on EVMs has once again become a topic of discussion. Congress leaders have alleged that there has been rigging and lack of transparency in the elections. In such a situation, data has emerged on the stages through which the election process passes, which sheds light on important facts regarding the transparency of EVMs. Infoindata shared a post on the social media platform X and wrote, After facing a crushing defeat in Maharashtra once again, the Congress is again casting doubts on India's electoral process. However, the facts and process tell a different story. Infoindata has also shared information about the election process through infographics with this post. The poster details the checks and balances in the electoral process which ensure that elections are conducted in a fair and honest manner. According to the infographics, all party representatives are present six times during the checking of VVPAT-EVM (Voter Verifiable Paper Audit Trail-Electronic Voting Machine) units, randomisation and other technical tasks. This ensures that the election process is completely transparent and all parties get a level playing field. Apart from this, at various technical stages of the election, candidates or their representatives sign the seal of the EVM five times at different stages. This seal works to lock the EVM. This process ensures that the EVMs are completely securely and properly sealed, and there is no tampering of these machines. Additionally, the VVPAT-EVM units are checked thrice by Election Commission officials and these units are signed by the Commission officials. After this, these units are shared with political parties, including a list of 100% checked EVMs. This step ensures that the electoral process is completely transparent and fair, and all parties get full details of the machines checked.

Security forces recovered two IEDs and explosive material in Poonch, Jammu and Kashmir

Poonch: Security forces on Thursday recovered two IEDs and suspicious items including explosive material during a search operation in Poonch district of Jammu and Kashmir. According to officials, after receiving information about a suspicious object being seen under the Chhajala bridge in Mendhar tehsil, the area was immediately cordoned off. After this, the bomb disposal squad was called. During the search operation, the security forces found two IEDs, an explosive material like RDX weighing more than one kilogram, a battery, two blankets and some food items. The entire area has been cordoned off and a search operation is being conducted. The Poonch Mendhar road has been closed. The security forces termed this recovery as a big success and said that this could be part of a possible attack plan by terrorists. At present the matter is under investigation and security has been tightened in the area. Police and other security agencies are conducting intensive investigation to identify the people involved in the case and find out their intentions. Earlier on Thursday, the police arrested two terrorists who were allegedly conspiring to carry out subversive activities in Doda and Udhampur districts of Jammu and Kashmir. The accused was allegedly in touch with terror handlers across the border through various social media platforms. Incriminating material, including documents, was recovered from his possession. In recent times, there have been many encounters between terrorists and security forces in Jammu and Kashmir, in which many terrorists and their commanders were killed.

ED raids Raj Kundra's premises in pornography network case

Mumbai- The Enforcement Directorate (ED) raided several locations of Bollywood producer Raj Kundra on Friday morning. The case is said to be related to pornography. According to the information, ED officials have also started investigation at Shilpa Shetty's house in Santacruz from 6 am. Shilpa Shetty is Kundra's wife and a famous Bollywood actress. This ED raid is related to the alleged pornography network and channels operated by Raj Kundra and his associates, which is linked to the allegations of allegedly spreading pornographic content illegally on social media and other digital platforms. ED officials have started examining documents at the locations of Kundra and his associates, so that all aspects of this crime can be investigated in depth. Raj Kundra's name has already come into the limelight in the pornography case. Mumbai Police had even arrested him in this case, but later he got bail. Shilpa Shetty's name also came up in this case, although till now she has not been accused of any kind of involvement in this case. This raid by ED in the pornography case against Raj Kundra and his associates has once again created a stir in the Bollywood world. It is feared that many big revelations may happen in this case. At present, the ED team is examining all the important documents. Let us tell you, in February 2021, Mumbai Police busted a porn racket. In February, the Crime Branch of Mumbai Police registered a case against making pornographic films and releasing them on different OTT platforms. After this, the police became active and was raiding different places. During this, four people were caught by the police. When they were interrogated, Raj Kundra's name came up. On this basis, Raj Kundra was arrested. Model Poonam Pandey, actress and model Sherlyn Chopra, actress Sagarika Shona Suman also made many serious allegations against Raj Kundra. Raj Kundra, who had spent time in jail in the pornography case, after his release from there, also worked as an actor in a film named UT 69. This film was based on his 63 days spent in Arthur Jail. That is, this film was based on Raj Kundra's arrest in the adult film scandal. Shilpa Shetty and Raj Kundra got married in 2009 and now it has been 15 years since their marriage. Both have two children, a daughter Samisha Shetty Kundra and a son Viaan Raj Kundra.

Baba Siddiqui murder case: Lawrence Bishnoi had assured the shooter to get him out of jail and send him abroad

Let us tell you that NCP leader Baba Siddiqui was shot dead outside his son Zeeshan's office in Bandra, Mumbai on October 12. The Lawrence Bishnoi gang has taken responsibility for this murder. The gang says that Baba Siddiqui was murdered because of his close relationship with actor Salman Khan.

Mumbai: There has been a new twist in the murder case of NCP leader and former minister Baba Siddiqui. One of the accused involved in the murder of the NCP leader has admitted that when the conspiracy to kill Baba Siddiqui was being hatched, he had talked to gangster Lawrence Bishnoi, who is lodged in a Gujarat jail. The main shooter Shivkumar Gautam gave this information to the Crime Branch officials. Gautam told the officials that while planning the murder, he had talked to Lawrence Bishnoi, who is lodged in a Gujarat jail. The shooter told that during this time Lawrence Bishnoi had assured the shooter that he need not fear the police after the murder. Bishnoi had told Gautam that even if he is caught, he should not panic, he will be released from jail in a few days. Shooter Gautam further said that Bishnoi had promised to give him Rs 12 lakh for the murder. Apart from this, he was also assured to make arrangements to send him abroad after coming out of jail. If Gautam is to be believed, Lawrence Bishnoi also told him that he has a team of lawyers who can get him released within a few days after his arrest. This is the first time that Lawrence Bishnoi's name has surfaced in the Baba Siddiqui murder case. Earlier, Bishnoi's brother Anmol Bishnoi's name had also surfaced in this case. Anmol's name had come up in the investigation on charges of being involved in the murder conspiracy, but now with Lawrence Bishnoi's name also being added to this case, the police investigation has taken a new turn.

SUV fell straight into the canal, 4 people died tragically; 3 in critical condition

Patna: In a tragic road accident in Bihar's Arwal district, four members of a family were killed and three others injured. The incident took place around 7.30 pm near Parsadi English village under Town police station area of the district. Town police station SHO Ali Sabri said that the victims were residents of Kamta village under Kaler police station of the district. They were going to attend a wedding ceremony in Patna in a Mahindra Scorpio SUV. "The accident occurred when the speeding vehicle hit a small speed breaker. The driver lost control of the SUV, causing it to skid and fall into the Son canal near the road," Sabri said. Four members of the same family died on the spot, Sabri said. Fortunately, three people survived despite serious injuries. They were immediately rushed to Sadar Hospital for treatment, where their condition is said to be out of danger. The road accident victims have been identified as Parmanand Kumar (30), Priyanka Kumari (28), Parmanand Kumar's wife Soni Kumari (22) and Parmanand and Soni Kumari's one-year-old daughter Tannu Kumari. All are residents of Kamta village. The injured have been identified as Namneet Kumar (20), Savita Devi (30) and Vaijanti Devi (45). "We have informed the family members about the accident. The bodies have been recovered from the canal and sent for post-mortem.

Rhetoric on Sambhal violence is wrong: Jayant Chaudhary

New Delhi- RLD chief and Union Minister Jayant Chaudhary has termed the Sambhal violence as sensitive and said that there should be no wrong statements in this matter. The Union Minister said, it is wrong to give statements to confuse people. The atmosphere should be calm, there should be peace and people should have faith in the law. We should take initiative in this direction. The country runs by law. It is a big responsibility of the state government to provide security to people who follow the path of law.

Whatever happens next will be decided by the Supreme Court. There are many important questions. Regarding the non-implementation of PM Vishwakarma Yojana in Tamil Nadu, Union Minister of Skill Development and Entrepreneurship Jayant Chaudhary said that the scheme has been implemented for more than a year. Two and a half crore registrations have been done across the country, while more than 10 lakh people have got direct benefit of this scheme. A large number of people have got loans. People who are connected to the village have got easy and simple loans. Chief Minister Stalin could not understand this scheme. He should read the guidelines of the scheme again, there is no mention of caste anywhere in it. This is a scheme run by the central government. There is no burden of this on the state government. Beneficiaries have been identified at the village and district level. He further said that 8.5 lakh people of Tamil Nadu have registered. They should get the benefit of this scheme. Out of which 76% are women and more than 50% are OBCs. These are not people of one caste.

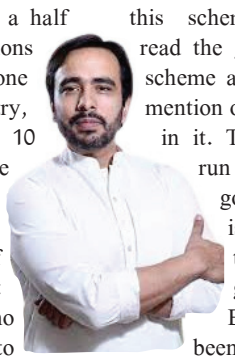

Chief Minister Stalin is doing politics on this scheme with a narrow mindset. It is unfortunate that the Chief Minister who cannot take a decision for the benefit of his state, cannot think about 8.5 lakh beneficiaries. I appeal to the state government to take a positive initiative. In fact, Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin has written a letter to Union MSME Minister Jitan Ram Manjhi informing that the Stalin government cannot implement the PM Vishwakarma Yojana in its present form in its state.